www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

2 न्यायिक जांच की मांग करता विमान हादसा, हमें आवाज उठानी ही होगी

7 महीने में ईरान ने 14 लाख अफगानी जबरन निकाले 06

वर्ष :17 | अंक :108 | प्रयागराज ,शनिवार , 19 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

गम्मीडीपूंडी में लोहे के कबाड़ गोदाम में लगी भीषण आग

चेन्नई शहर से लगभग 45 किलोमीटर दूर गम्मीडीपूंडी सिपकॉट (एसआईपीसीओटी) औद्योगिक क्षेत्र में लोहे के एक कबाड़ भंडारण गोदाम में शुक्रवार को भीषण आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ। दमकल तथा बचाव सेवा के कर्मचारी आग बुझाने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस को संदेह है कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण लगी होगी। आगे की जांच जारी है।

पंजाब में मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत अब तक 22 हजार तस्कर गिरफ्तार

पंजाब में मादक पदार्थों के खिलाफ जारी राज्य-व्यापी अभियान के तहत अब तक 22 हजार से ज्यादा तस्करों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। युद्ध नशियां विरुद्ध अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने बृहस्पतिवार को 113 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 1.5 किलोग्राम हेरोइन, 5 किलोग्राम अफीम और 31,237 नशीली गोलियां बरामद कीं। इस हालिया गिरफ्तारी के बाद, 138 दिनों से जारी अभियान के तहत गिरफ्तारियों की संख्या 22,377 तक पहुंच गई है। विशेष डीजीपी (कानून एवं व्यवस्था) अर्पित शुक्ला ने बताया कि 93 राजपत्रित अधिकारियों की निगरानी में 1300 से ज्यादा कर्मियों वाले 180 से अधिक पुलिस दलों ने बृहस्पतिवार को 433 ठिकानों पर छापे मारे। शुक्ला ने बताया कि इस कार्रवाई के तहत राज्य भर में 81 प्राथमिकियां दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस दलों ने इस दौरान 483 संदिग्ध व्यक्तियों को भी पकड़ा। राज्य सरकार ने वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय कैबिनेट उप-समिति का गठन किया है जो मादक पदार्थों के विरुद्ध इस अभियान पर नजर रखेगी। डीजीपी ने बताया कि राज्य सरकार ने राज्य से नशे के उन्मूलन के लिए तीन-आयामी रणनीति - प्रवर्तन, नशामुक्ति और रोकथाम (ईडीपी) - लागू की है।

बदलाव चाहता है बंगाल, पीएम का ममता सरकार पर वार

सार्वजनिक रैली को संबोधित

नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें बंगाल को इस बुरे दौर से बाहर निकालना है, और आज यहां जिन परियोजनाओं की शुरूआत हुई है, वो इसी का प्रतीक हैं। बंगाल, बदलाव चाहता है। बंगाल, विकास चाहता है।

बोले- टीएमसी का गुंडा टैक्स बंगाल में निवेश को रोक रहा

एजेंसी

पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह 'सावन' का पवित्र महीना है और इस पवित्र समय के दौरान, मुझे पश्चिम बंगाल के विकास के उत्सव में शामिल होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि भाजपा के पश्चिम बंगाल के लिए बड़े सपने हैं और वह 'विकसित पश्चिम बंगाल' का विकास करना चाहती है। उन्होंने कहा कि लोग यहां देशभर से रोजगार के लिए आते थे, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह उलट गई। आज पश्चिम बंगाल का नौजवान, पलायन के लिए मजबूर है। छोटे-छोटे काम के लिए भी उसे दूसरे राज्यों की तरफ जाना पड़ रहा है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमें बंगाल को इस बुरे दौर से बाहर निकालना है, और आज यहां जिन परियोजनाओं की शुरूआत हुई है, वो इसी का प्रतीक हैं। बंगाल, बदलाव चाहता है। बंगाल, विकास चाहता है। मोदी ने हुंकार भरते हुए कहा कि मैं आज आपको ये यकीन दिलाने आया हूं कि बंगाल की बदहाल स्थिति को बदला जा सकता है। भाजपा की सरकार आने के बाद, सिर्फ कुछ ही वर्षों में बंगाल देश के शीर्ष औद्योगिक राज्यों में से एक बन सकता है। यह मेरा दृढ़ विश्वास है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि टीएमसी सरकार, बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी सरकार की ये दीवार गिरेगी

आज पूरी दुनिया में विकसित भारत के संकल्प की चर्चा है :मोदी

मोदी ने कहा कि आज पूरी दुनिया में विकसित भारत के संकल्प की चर्चा है। इसके पीछे भारत में दिख रहे वो बदलाव हैं जिन पर विकसित भारत की इमारत का निर्माण हो रहा है। इन बदलावों का एक बड़ा पहलू भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर है। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में रेल कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए बहुत काम किया गया है। पश्चिम बंगाल देश के उन राज्यों में से एक है जहाँ वंदे भारत ट्रेनें बड़ी संख्या में चलाई जा रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार किया जा रहा है। रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। आज पश्चिम बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज समर्पित किए गए हैं

आरजेडी राज में बिहार में विकास पर लगा ब्रेक , दुनिया में पूरब के देशों का दबदबा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मोतिहारी में 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसके अलावा मोदी ने राजेंद्र नगर टर्मिनल (पटना) से नई दिल्ली, बापूधाम मोतिहारी से दिल्ली (आनंद विहार टर्मिनल), दरभंगा से लखनऊ (गोमती नगर) और मालदा टाउन से लखनऊ (गोमती नगर) के बीच चार नई अमृत भारत ट्रेनों को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान अपने संबोधन में मोदी ने कहा कि आज यहां से 7 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास हुआ है। मैं आप सभी को और सभी बिहारवासियों को इन विकास परियोजनाओं की बहुत-बहुत बधाई देता हूं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि 21वीं सदी में दुनिया बहुत तेजी से आगे बढ़ रही है। एक समय जो ताकत केवल पश्चिमी देशों के पास होती थी, उसमें अब पूरब के देशों का दबदबा और भागीदारी बढ़ रही है। पूरब के देश अब विकास की नई रफ्तार पकड़ रहे हैं। जैसे दुनिया में पूर्वी देश विकास की दौड़ में आगे जा रहे हैं, वैसे ही भारत में ये दौर हमारे पूर्वी राज्यों का है। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि आने वाले समय में जैसे पश्चिमी भारत में मुंबई है, वैसे ही पूरब में मोतिहारी का नाम हो। जैसे अवसर गुरुग्राम में हैं, वैसे ही अवसर गया जी में भी बनें।

इंडिया गठबंधन से अलग हुई आम आदमी पार्टी, अब बैठक में भाग नहीं लेंगे नेता

इंडिया गठबंधन से जुड़ी 'आप' ने खुद को गठबंधन से अलग कर लिया

विपक्षी सांसद बनाएंगे अपनी रणनीति

मानसून सत्र से ठीक पहले विपक्षी सांसद इस बैठक में अपनी रणनीति बनाएंगे. इससे पहले इंडिया गठबंधन की बैठक लोकसभा चुनाव के बाद 1 जून 2024 को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर ही हुई थी. इसके बाद से कोई बैठक नहीं हुई है. हालांकि, गत जून में ऑपरेशन सिंदूर के बाद इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टी के नेता संसद में मिले थे.

एजेंसी

नई दिल्लीः ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन से अलग-थलग होने का पहले ही संकेत दे चुकी आम आदमी पार्टी अब पूरी तरह इंडिया गठबंधन से अलग हो गई है. शनिवार को इंडिया गठबंधन की होने वाली अहम बैठक में आम आदमी पार्टी भाग नहीं लेगी. इस बैठक में आप पार्टी का कोई भी नेता शामिल नहीं होगा. आप औपचारिक रूप से जून 2023 में गठित इंडिया गठबंधन से बाहर हो गई है. ज्ञात हो कि इससे पहले ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे पर आम आदमी पार्टी ने सबसे पहले संसद के विशेष सत्र की मांग करते हुए प्रधानमंत्री मोदी को लिखे इंडिया गठबंधन के संयुक्त पत्र से खुद को अलग कर लिया था. सांसद संजय सिंह ने इसका मुख्य कारण कांग्रेस नेतृत्व को बताया था. अब 19 जुलाई को दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर इंडिया गठबंधन की बैठक होने वाली है. इस बैठक में आम आदमी पार्टी के अलावे तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेता अन्य व्यस्तता के चलते शामिल नहीं होंगे. टीएमसी नेता 21 जुलाई को होने वाले शहीद दिवस कार्यक्रम की तैयारियों में व्यस्त होने की वजह से इस बैठक में शामिल नहीं होंगे।

इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के लिए था

इंडिया गठबंधन की शनिवार को होने वाली बैठक पर प्रतिक्रिया देते हुए नेता संजय सिंह ने कहा कि इंडिया गठबंधन का गठन विशेष रूप से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए किया गया था. गठबंधन की वजह से विपक्षी दलों को 240 सीटें मिलीं, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है. वर्तमान में जनता के सामने बीजेपी और कांग्रेस एक-दूसरे के विरोधी बनने का नाटक करते हैं, लेकिन असल में दोनों ने आपस में गुप्त गठबंधन कर रखा है. ये गठबंधन न वैचारिक है, न सैद्धांतिक. ये एक भ्रष्ट और अवसरवादी समझौता है,

मेटा से गलती हुई, लिखा- कर्नाटक सीएम नहीं रहे

सिद्धारमैया ने नाराजगी जताई, कंपनी दी। मेटा को लिखे एक पत्र में, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के वी प्रभाकर ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कन्नड़ अनुवाद की सटीकता पर गंभीर चिंता जताई और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया।

एजेंसी

फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी मेटा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के शोक संदेश का गलत अनुवाद करने और उनके निधन की झूठी खबर देने वाली ऑटो-ट्रांसलेशन की गलती के लिए माफी मांगी है। टेक दिग्गज ने कहा कि अब यह समस्या हल हो गई है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सिद्धारमैया का संदेश फेसबुक पर पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने अभिनेत्री बी सरोजादेवी को श्रद्धांजलि दी थी। त्रुटिपूर्ण अनुवाद में लिखा था, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का कल निधन हो गया। बहुभाषी स्टार, वरिष्ठ अभिनेत्री बी सरोजादेवी के पार्थिव शरीर के दर्शन किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। मेटा को लिखे एक पत्र में, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार के वी प्रभाकर ने फेसबुक और इंस्टाग्राम पर कन्नड़ अनुवाद की सटीकता पर गंभीर चिंता जताई और तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई का अनुरोध किया। मेटा ने अपनी अनुवाद प्रणाली में त्रुटि स्वीकार की। मेटा के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, हमने उस समस्या को ठीक कर दिया है जिसके कारण कुछ समय के लिए कन्नड़ अनुवाद में यह त्रुटि हुई थी। हमें खेद है कि ऐसा हुआ। सिद्धारमैया ने गुरुवार को कहा कि आधिकारिक संचार के गलत अनुवाद उपयोगकर्ताओं को गुमराह करते हैं और तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मेटा प्लेटफॉर्म पर कन्नड़ सामग्री का गलत स्वचालित अनुवाद तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है और उपयोगकर्ताओं को गुमराह कर रहा है। आधिकारिक संचार के मामले में यह विशेष रूप से खतरनाक है। मेरे मीडिया सलाहकार ने मेटा को औपचारिक रूप से पत्र लिखकर तत्काल सुधार का आग्रह किया है।

बुजुर्ग को कार में बंद कर ताजमहल घूमने निकला परिवार, गार्ड ने शीशा तोड़कर निकाला बाहर

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के आगरा में ताजमहल के पश्चिमी द्वार पर स्थित पार्किंग क्षेत्र में एक सुरक्षा गार्ड ने एक बुजुर्ग व्यक्ति को महाराष्ट्र सरकार के स्टिकर वाली एक बंद कार के अंदर बेहोशी की हालत में बंधा हुआ पाया। महाराष्ट्र नंबर प्लेट वाली एक कार को संदिग्ध रूप से काफी देर से खड़ी देखकर, गार्ड ने गौर से देखा तो पाया कि एक बुजुर्ग व्यक्ति के हाथ-पैर कपड़े से बंधे हुए थे। कार के अंदर की भीषण गर्मी ने उसकी हालत और बिगाड़ दी थी।

कैश कांड में फंसे जस्टिस वर्मा पहुंचे सुप्रीम कोर्ट

सर्वोच्च अदालत द्वारा बनाई कमिटी के निष्कर्षों को ही दी चुनौती

यह विवाद 14-15 मार्च की रात को शुरू हुआ, जब दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास में आग लग गई। अग्निशमन अभियान के दौरान, आपातकालीन कर्मियों को घर के स्टोररूम में 500 के नोटों के जले हुए बंडल मिले, जिससे गंभीर संदेह पैदा हुआ। इसके जवाब में सर्वोच्च न्यायालय ने घटना की जाँच के लिए तीन न्यायाधीशों का एक आंतरिक जाँच पैनल गठित किया। पैनल ने न्यायाधीश को दोषी पाया।

एजेंसी

दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा ने सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर आंतरिक जाँच समिति के निष्कर्षों को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें कदाचार का दोषी पाया गया था। उन्होंने तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा की गई महाभियोग की सिफारिश को भी चुनौती दी है और पूरे घटनाक्रम को एक साज़िश बताया है।

आग लगने की घटना की जाँच शुरू

यह विवाद 14-15 मार्च की रात को शुरू हुआ, जब दिल्ली स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के सरकारी आवास में आग लग गई।

पैनल के निष्कर्ष निम्नलिखित पर आधारित थे

- 55 गवाहों की गवाही
- एक विस्तृत फोरेंसिक जाँच
- अग्निशमन विभाग के कर्मियों के बयान

अग्निशमन अभियान के दौरान, आपातकालीन कर्मियों को घर के स्टोररूम में 500 के नोटों के जले हुए बंडल मिले, जिससे गंभीर संदेह पैदा हुआ। इसके जवाब में सर्वोच्च न्यायालय ने घटना की जाँच के लिए तीन न्यायाधीशों का एक आंतरिक जाँच पैनल गठित किया।

कांवड़ियों को उपद्रवी कहना गलत...

सीएम योगी बोले- यह श्रद्धालुओं को बदनाम करने की कोशिश

योगी ने आगे कहा कि कांवड़ यात्रियों को अपराधी और आतंकवादी तक करार दिया जा रहा है। यह उस मानसिकता को दर्शाता है जो हर तरह से भारत की विरासत को कलंकित करना चाहती है।

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि कांवड़ यात्रा के तीर्थयात्रियों को मीडिया ट्रायल से गुजरना पड़ता है, उन्हें बदनामकिया जाता है और यहां तक कि अपराधी और आतंकवादी करार दिया जाता है। योगी ने कहा कि निम्नतम वर्ग से लेकर उच्च वर्ग तक, हर व्यक्ति इस कांवड़ यात्रा से जुड़ा है। यह एकता का अद्भुत प्रदर्शन है। इसमें जाति, क्षेत्र, वर्ग, धर्म या समुदाय का कोई भेदभाव नहीं है। हालांकि, मीडिया ट्रायल हो रहा है और कांवड़ यात्रा को बदनाम किया जा रहा है।

योगी ने आगे कहा कि कांवड़ यात्रियों को अपराधी और आतंकवादी तक करार दिया जा रहा है। यह उस मानसिकता को दर्शाता है जो हर तरह से भारत की विरासत को कलंकित करना चाहती है। कांवड़ यात्रा भारत में एक प्रमुख वार्षिक हिंदू तीर्थयात्रा है, जिसके दौरान भगवान शिव के भक्त, जिन्हें कांवड़िये कहा जाता है, गंगा जैसी पवित्र नदियों से पवित्र जल इकट्ठा करने के लिए पैदल यात्रा करते हैं और उसे श्रावण के पवित्र महीने में शिव मंदिरों, विशेष रूप से शिवलिंगों पर चढ़ाने के लिए वापस ले जाते हैं। यह यात्रा आध्यात्मिकता, धैर्य और उत्सव का मिश्रण है, लेकिन कई बार यह झड़पों, शोरगुल वाले जुलूसों और सड़क अवरोधों से भी जुड़ी रही है, जिसके कारण इसकी आलोचना हुई है और नियमन की मांग की गई है।

राहुल गांधी ने ओमन चांडी को दी श्रद्धांजलि दी

उनकी विनम्रता और ईमानदारी की सराहना की

राहुल ने अपने संबोधन में कहा कि तो आप सोच रहे होंगे कि मैं यहाँ क्यों आया हूँ, और आपसे राजनीति और भावनाओं के बारे में क्यों बात कर रहा हूँ? क्योंकि मेरे 21 साल के राजनीतिक जीवन में, भावनाओं की राजनीति के महारथियों में से एक ओमन चांडी जी थे।

एजेंसी

विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को कोट्टायम के पुथुपल्ली स्थित सेंट जॉर्ज ऑर्थोडॉक्स चर्च में आयोजित स्मृति संगम में दिवंगत कांग्रेसी नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पार्टी नेताओं, समर्थकों और स्थानीय लोगों ने चांडी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की और श्रद्धेय नेता की विरासत को नमन किया।चांडी को जन कल्याण और सेवा के प्रति समर्पित नेता बताते हुए, गांधी ने उनकी विनम्रता और ईमानदारी की सराहना की। राहुल ने अपने संबोधन में कहा कि तो आप सोच रहे होंगे कि मैं यहाँ क्यों आया हूँ, और आपसे राजनीति और भावनाओं के बारे में क्यों बात कर रहा हूँ? क्योंकि मेरे 21 साल के राजनीतिक जीवन में, भावनाओं की राजनीति के महारथियों में से एक ओमन चांडी जी थे।

तंज कांग्रेस नेता पर हिमंत बिस्वा सरमा का तंज

क्या गारंटी है कि राहुल गांधी 2026 से पहले जेल नहीं जाएंगे?

एजेंसी

नयी दिल्ली। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने एक बार फिर से कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कल रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ कार्रवाई की गई है। क्या गारंटी है कि राहुल गांधी 2026 से पहले जेल नहीं जाएंगे? इससे पहले हिमंत बिस्वा सरमा और राहुल गांधी के बीच राजनीतिक टकराव गुरुवार को और बढ़ गया जब सरमा ने गांधी पर राज्य के गोलपारा जिले के एक आरक्षित वन में बेदखली अभियान के दौरान हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। गुवाहाटी स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए, सरमा ने दावा किया कि राहुल गांधी ने बुधवार को चायगांव में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस की राज्य स्तरीय बैठक के दौरान अतिक्रमणकारियों और भूमि जिहादियों को सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता की टिप्पणियों ने बेदखल परिवारों को गुमराह किया है, और सुबह नए बेदखली अभियान के दौरान पुलिस से उनकी झड़प हो गई। स्थिति तब हिंसक हो गई जब प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर पथराव किया और हथियारों से पुलिस पर हमला किया। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलाईं, जिसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। गोलीबारी में एक कथित अतिक्रमणकारी की मौत हो गई, जबकि दो अन्य का इलाज चल रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सरमा ने कहा कि राहुल गांधी के भाषण की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, अगर राहुल गांधी या मल्लिकार्जुन खड़गे अपने भाषणों के जरिए हिंसा भड़काते पाए जाते हैं, तो पुलिस कार्रवाई करेगी। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के इस दावे पर कि राज्य सरकार ने कोई नौकरी नहीं दी है, मुख्यमंत्री ने आज कहा, मैंने नौकरी दी है या नहीं, असम के लोग यह जानते हैं। उन्होंने कहा, हम असम के लोगों के लिए काम कर रहे हैं और जनता यह जानती है। भाषण देने से कुछ नहीं बदलेगा। भाजपा ने 2021 के विधानसभा चुनाव से पहले एक लाख सरकारी नौकरियों का वादा किया था। मुख्यमंत्री ने अब दावा किया है कि उन्होंने अपने चार साल के कार्यकाल में पहले ही यह आंकड़ा पार कर लिया है तथा अगले साल उनका कार्यकाल समाप्त होने से पहले और अधिक नौकरियां दी जाएंगी।

गुवाहाटी स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए, सरमा ने दावा किया कि राहुल गांधी ने बुधवार को चायगांव में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस की राज्य स्तरीय बैठक के दौरान अतिक्रमणकारियों और भूमि जिहादियों को सरकारी भूमि पर अवैध रूप से कब्जा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

तमिलनाडु दिवस तमिलों के इतिहास में एक अनोखा दिन : मुख्यमंत्री स्टालिन

द्रमुक अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि यही वह दिन था जब महान नेता (पूर्व मुख्यमंत्री) सी एन अन्नादुरई ने राज्य का नामकरण किया और राज्य विधानसभा में तीन बार तमिलनाडु नाम दोहराया, फिर चारों ओर यह आवाज गूंजी।

एजेंसी

नयी दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शुक्रवार को कहा कि 1967 में आज ही के दिन तमिलनाडु को अपनी पहचान मिली थी और यह तमिलों के इतिहास में एक अनोखा दिन है। स्टालिन ने राज्य का नाम रखने में द्रविड़ द्रमुक कषगम (द्रमुक) सरकार के प्रयासों को याद करते हुए कहा, 18 जुलाई 1967 को द्रमुक के सत्ता में आने के बाद इस भूमि की पहचान बदल गई। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, तमिलनाडु दिवस - तमिल समुदाय के इतिहास में एक अनोखा दिन ! वह दिन जब हमें आधिकारिक तौर पर अपना असली नाम तमिलनाडु मिला, एक सपना जो हम वर्षों से अपने दिलों में संजोए हुए थे, एक सपना सच हुआ।

द्रमुक अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री ने अपने पोस्ट में कहा कि यही वह दिन था जब महान नेता (पूर्व मुख्यमंत्री) सी एन अन्नादुरई ने राज्य का नामकरण किया और राज्य विधानसभा में तीन बार तमिलनाडु नाम दोहराया, फिर चारों ओर यह आवाज गूंजी।

सम्पादकीय

भ्रष्टाचार और ईडी, गंभीर मामलों में ठोस कार्रवाई जरूरी

यह एक तथ्य है कि नेताओं नौकरशाहों और उनके करीबियों के भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी एवं सीबीआइ का रिकार्ड कोई बहुत अच्छा नहीं है। यह खराब रिकार्ड भ्रष्टाचार से लड़ने के दावों को खोखला ही साबित करता है। नेताओं नौकरशाहों और उनके करीबियों के भ्रष्टाचार पर कोई प्रभावी लगाम नहीं लग पा रही है। गुरुग्राम जमीन घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति एवं व्यवसायी राबर्ट वाड्रा के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी ने जिस तरह चार्जशीट दायर की, उससे लगता है कि अब वह इस मामले में गंभीर है। इसके चलते राबर्ट वाड्रा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं, लेकिन यह पहली बार नहीं है जब ईडी ने राबर्ट वाड्रा के मामलों की जांच करने में तत्परता प्रदर्शित की हो। वह पहले भी ऐसा कर चुकी है, लेकिन उसकी जांच अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ी। राबर्ट वाड्रा नेता नहीं हैं, लेकिन सब जानते हैं कि वे राजनीतिक रूप से शक्तिशाली गांधी परिवार से जुड़े हैं। गुरुग्राम की उनकी जमीन का मामला बहुत पहले सामने आया था। तब सहज ही यह प्रश्न उठा था कि आखिर वे सिर्फ एक लाख रुपये वाली अपनी कंपनी से 58 करोड़ रुपये की जमीन का सौदा कैसे कर सकते हैं? क्या ऐसी सुविधा और किसी को भी मिल सकती है कि कोई जिससे जमीन खरीदे, उसे ही कुछ समय बाद कई गुना मूल्य पर बेचकर मोटा पैसा कमाए? ईडी की मानें तो वाड्रा ने बिना कोई पैसा खर्च किए बड़ा जमीन सौदा कर लिया। स्पष्ट है कि वे ऐसा कर पाने में इसीलिए सफल हुए होंगे, क्योंकि सोनिया गांधी के दामाद हैं। अपने देश में राजनीतिक प्रभाव वाले लोग छिपा-खुला भ्रष्टाचार करते ही रहते हैं। विडंबना यह है कि ऐसे मामलों में कोई ठोस कार्रवाई कठिनाई से ही होती है। नेताओं से जुड़े मामलों में तो यह कठिनाई कुछ ज्यादा ही दिखती है। यह कठिनाई केवल ईडी के समक्ष ही नहीं, सीबीआइ एवं अन्य एजेंसियों के सामने भी आती है। यह किसी से छिपा नहीं कि नेताओं और नौकरशाहों के भ्रष्टाचार के गंभीर मामलों में ईडी एवं सीबीआइ जैसी एजेंसियां बहुत धीमी गति से आगे बढ़ती हैं। कभी वे तेजी दिखाती हैं, कभी शिथिल पड़ जाती हैं। जब ऐसा होता है तो सरकारी एजेंसियों के राजनीतिक दुरुपयोग का आरोप उछलता है। इस आरोप का सहारा लेकर कठघरे में खड़े नेता चुनावी एवं राजनीतिक लाभ लेने की भी कोशिश करते हैं। कई बार वे सफल भी हो जाते हैं। कई मामलों में यह भी देखने को मिला है कि कभी जांच आगे बढ़ी, फिर वह ठहर गई या ठंडे बस्ते में चली गई और फिर यकायक तेज हो गई। यह एक तथ्य है कि नेताओं, नौकरशाहों और उनके करीबियों के भ्रष्टाचार के मामलों में ईडी एवं सीबीआइ का रिकार्ड कोई बहुत अच्छा नहीं है।

आज का विचार

मेष राशि : दिन कैसा रहेगाः आज का दिन संतुलित रहेगा. बुजुर्गों से सलाह लाभदायक हो सकती है. करियर/धनः कामकाज सामान्य रहेगा, आर्थिक स्थिति स्थिर रहेगी. पारिवारिक जीवनः पारिवारिक समस्या का समाधान मिलेगा. स्वास्थ्यः तनाव से बचें, दिनचर्या व्यवस्थित रखें. उपायः हनुमान चालीसा का पाठ करें.

वृषभः दिन कैसा रहेगाः दिन खुशियों से भरा रहेगा, जिम्मेदारी मिलने की संभावना है. करियर/धनः आय में मजबूती आएगी, कार्य पूर्ण साथ होंगे. पारिवारिक जीवनः बच्चों से जुड़ी योजना साकार होगी. स्वास्थ्यः खुद के लिए समय निकालना चुनौती भरा हो सकता है. उपायः लक्ष्मी माता को कमल का फूल अर्पित करें.

मिथुन राशिः दिन कैसा रहेगाः व्यस्तता से भरा दिन रहेगा. करियर/धनः काम बेहतर रहेगा, लेकिन बहस से बचें. पारिवारिक जीवनः धार्मिक आयोजन संभव है, सामंजस्य बनाए रखें. स्वास्थ्यः मानसिक थकान रह सकती है. उपायः तुलसी के पौधे में जल दें.

कर्क राशि : दिन कैसा रहेगाः शानदार दिन, फोकस बनाए रखना जरूरी है. करियर/धनः नए इनकम सोर्स बन सकते हैं, काम में सफलता मिलेगी. पारिवारिक जीवनः रिश्तों में नई ऊर्जा आएगी. स्वास्थ्यः क्रिएटिव कार्यों से मानसिक राहत मिलेगी. उपायः चांदी का छोटा सिक्का जेब में रखें.

सिंह राशि : दिन कैसा रहेगाः सुनहरा दिन, लंबे समय से चाही चीज मिल सकती है. करियर/धनः करियर में प्रगति, कार्य योजना अनुसार पूरा होगा. पारिवारिक जीवनः घरेलू जरूरतों की खरीददारी संभव. स्वास्थ्यः संतुलित खानपान रखें. उपायः सूर्य देव को जल अर्पित करें.

कन्या राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन उत्साहपूर्ण रहेगा.करियर/धनः मेहनत से आर्थिक लाभ संभव, खुद पर भरोसा रखें. पारिवारिक जीवनः बच्चों के साथ अच्छा समय बीतेगा. स्वास्थ्यः खानपान में संयम रखें.उपायः हरे फल का दान करें.

तुला राशिः दिन कैसा रहेगाः अनुकूल दिन, भाग्य का साथ मिलेगा.करियर/धनः रुके हुए पैसे मिल सकते हैं.पारिवारिक जीवनः दांपत्य जीवन में मधुरता बढ़ेगी. स्वास्थ्यः योग से लाभ मिलेगा. उपायः मां सरस्वती का पूजन करें.

वृश्चिक राशि : दिन कैसा रहेगाः कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी. करियर/धनः कार्यों की सराहना होगी, राजनीतिक लोग चर्चा में रहेंगे.पारिवारिक जीवनः पारिवारिक रिश्तों में मजबूती आएगी.स्वास्थ्यः मानसिक और शारीरिक ऊर्जा बनी रहेगी. उपायः लाल वस्त्र का दान करें.

धनु राशि : दिन कैसा रहेगाः खुशी से भरा दिन रहेगा. करियर/धनः प्रमोशन या धन वापसी के योग हैं. पारिवारिक जीवनः बच्चों की उपलब्धियों से माहौल खुशनुमा रहेगा. स्वास्थ्यः टेंशन कम होगी, मन प्रसन्न रहेगा. उपायः पीपल के पेड़ के नीचे दीपक जलाएं.

मकर राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन शुभ समाचारों से भरपूर रहेगा. करियर/ धनः धन लाभ के अवसर हैं, सामाजिक कार्यों से मान मिलेगा. पारिवारिक जीवनः संतान सुख की प्राप्ति संभव. स्वास्थ्यः स्वास्थ्य में सुधार रहेगा. उपायः शनिदेव के मंदिर में सरसों का तेल चढ़ाएं.

कुंभ राशिः दिन कैसा रहेगाः दिन अच्छा रहेगा, व्यवहार में संयम रखें. करियर/धनः आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, नए संपर्क बनेंगे. पारिवारिक जीवनः संतान से सुख, मित्रों से सहयोग. स्वास्थ्यः पेट संबंधी परेशानी हो सकती है, ऑयली फूड से बचें. उपायः नीले कपड़े पहनें, शनिदेव को तिल चढ़ाएं.

मीन राशि : दिन कैसा रहेगाः सामान्य दिन, निर्णय सोच-समझकर लें. करियर/धनः योजनाएं सफल हो सकती हैं. पारिवारिक जीवनः परिवार से जुड़ी समस्याएं सुलझेंगी.स्वास्थ्यः अत्यधिक सोच से बचें.उपायः केले के पेड़ की पूजा करें.

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

न्यायिक जांच की मांग करता विमान हादसा, हमें आवाज उठानी ही होगी

> किसी खतरनाक पड़ाव से जुड़ी तमाम मौखिक एवं विजुअल चेतावनियों से काकपिट और दोनों पायलटों की स्क्रीन जगमगा उठी होगी लेकिन अफसोस कि इस बिंदु पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस दौरान पायलटों ने बातचीत की होगी जिसका रिपोर्ट में भी उल्लेख है। उन्होंने प्रत्येक चेतावनी को देखते हुए उनके बारी-बारी से निदान का प्रयास भी किया होगा

पा एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआइ–171 के दुर्घटनाग्रस्त होने के महीने भर बाद आई विमान दुर्घटना जांच बोर्ड यानी एएआइबी की आरंभिक रिपोर्ट सत्य को सामने लाने से अधिक दिग्गज अमेरिकी कंपनियों के हितों को साधने की कवायद अधिक लगती है। 15 पन्नों की इस रिपोर्ट को देखकर लगता है कि ऐसी नाकारा रिपोर्ट को जारी करने का क्या तुक था? भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार और चौथी सबसे बड़ी आर्थिकी है। सरकारी नीतिगत प्रोत्साहन से कुछ वर्षों के दौरान जहां 250 नए हवाई अड्डे बनने जा रहे हैं, वहीं 2,000 नए विमान भी जुड़ेंगे। ऐसे में, एक बड़े विमान हादसे की जांच का मामला बहुत संभालकर आगे बढ़ाने की जरूरत है, जिस पर दुनिया की निगाहें लगी हुई हैं। इस आरंभिक जांच रिपोर्ट को लेकर बहुत आपत्तियां सामने आई हैं। एक आपत्ति तो जांच समिति के गठन से ही जुड़ी है। इस समिति में 787 ड्रीमलाइनर के किसी लाइसेंसधारक पायलट या इंजीनियर को तो छोड़िए किसी सामान्य पायलट तक को शामिल नहीं किया गया। इस पर भी सवाल उठते हैं कि भारत सरकार की सर्वप्रमुख विमान दुर्घटना जांच एजेंसी की रिपोर्ट पहले ही कैसे लीक हो गई? रिपोर्ट 12 जुलाई को जारी की गई, पर उससे पहले नौ जुलाई को ही दो विमानन पत्रकारों ने सूत्रों के आधार पर आलेख लिखा कि जांचकर्ता फ्यूल कंट्रोल स्विच के इर्दगिर्द ही जांच का दायरा केंद्रित किए हुए हैं कि यह स्विच पायलटों से जाने–अनजाने में दब गया था। उन्होंने

परिस्थितियों का पूरा विवरण प्रस्तुत किया था। इसके दो दिन बाद द वाल स्ट्रीट जर्नल (डब्ल्यूएसजे) ने भी फ्यूल कंट्रोल स्विच को लेकर इसी तरह की रिपोर्ट प्रकाशित की। इस अखबार ने यह दावा भी किया कि जांच की दिशा को लेकर भारतीय एएआइबी एवं अमेरिकी एनटीएसबी में मतभेद हैं और अमेरिकी एजेंसी ने जांच से अलग होने की धमकी भी दी। अंततः 12 जुलाई को करीब आधी रात के बाद एएआइबी ने रिपोर्ट जारी की, जिससे उस देश को निराशा ही हाथ लगी जो इस मामले में जवाब चाहता था। रिपोर्ट में सबसे बड़ी विसंगति यही है कि 34 सेकेंड में ही क्रैश हो गए विमान के सीवीआर–काकपिट वायस रिकार्डर का पूरा ब्योरा इसमें प्रकाशित नहीं किया गया है। इससे यह समझने में आसानी होती कि आखिर क्या हुआ होगा। यहां तक कि कुछ महत्वपूर्ण घटनाक्रम के समय का भी उल्लेख नहीं किया गया, जैसे पायलटों ने कब कथित तौर पर एक दूसरे से बातचीत की या कब रैट–रैम एयर टरबाइन चालू हुई आदि–इत्यादि। रिपोर्ट को संदिग्ध और रहस्यमयी तरीके से पेश करना भी सवाल खड़े करता है। वाल स्ट्रीट जर्नल ने 17 जुलाई को फिर इस मामले में विमान के मुख्य पायलट पर आरोप मढ़ा। लीक सूचनाओं के आधार पर उसने लिखा कि मुख्य पायलट ने ही स्विच को खींचा था और फर्स्ट आफिसर ने इस पर घबराहट भरी प्रतिक्रिया दी। पहले यह आरोप मद्धम स्वर में लगाया जा रहा था, लेकिन अखबार ने इसे और मुखरता दी। काकपिट में कथित रूप से जो कुछ घटित हुआ, अखबार ने उसकी और बदरंग तस्वीर ही दिखाई। वाल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार एनटीएसबी की मुखिया जेनिफर होमेंडी को यह निर्देश मिला कि वह खुद पूरी रिकार्डिंग सुनें। उसने दावा किया कि अमेरिकी अधिकारी यह भी मानते हैं कि इस मामले में एफबीआइ जैसी एजेंसी भी सक्रिय होनी चाहिए कि अगर इस तरह के मामले अमेरिकी धरती पर घटित हुए तब क्या? भारत में हमारे लिए यह और हैरानी भरा है कि हमें एएआइबी रिपोर्ट से अधिक जानकारियां अमेरिकी मीडिया में लीक से मिल रही हैं। यह रिपोर्ट की संदिग्ध प्रकृति के साथ ही उसे तैयार करने में लापरवाही या लीपापोती के रवैये को दर्शाता है। जिस दिन रिपोर्ट जारी हुई उसी दिन ऐसी अनुभूति हो गई थी कि एनटीएसबी और एएआइबी जितना कुछ जानते हैं, उससे कहीं कम जाहिर कर रहे हैं। उनकी कोशिश जानकारियों को किस्तों में बताने की लगती है। सीवीआर संबंधी ब्योरे का नदारद रहना भी प्रारंभिक रिपोर्ट की एक बहुत बड़ी असफलता है। यह भी संभव है कि एएआइबी द्वारा ध्यान भटकाने के लिए भी यह सब किया जा रहा हो, क्योंकि इस मामले में अभी भी कई तकनीकी पहलू उलझे हुए हैं। जो भी हो इस आरंभिक जांच रिपोर्ट के बाद बोइंग के शेयर साल भर के उच्च स्तर पर पहुंच गए। डब्ल्यूएसजी लीक के बाद यह तेजी और बढ़ गई। इससे यह तो पता चलता है कि आरंभिक रिपोर्ट से किसी को तो लाभ पहुंचा है। वाल स्ट्रीट जर्नल के आरोपों का अभी भी सच्चाई से दूर–दूर तक कोई सरोकार नहीं दिखता। ऐसे में समूची सीवीआर ट्रांसक्रिप्ट रिलीज ही कुछ कारगर असर दिखा सकती है। इसी से पता चल सकता है कि काकपिट के भीतर क्या घटित हुआ? बोइंग ड्रीमलाइनर तमाम चेतावनी प्रणालियों से लैस एक उच्चस्तरीय इलेक्ट्रानिक विमान है जिनमें कुछ प्रणालियां अपनी अधिकता से जटिलताएं भी बढ़ाती हैं। इन सभी का सीवीआर और डीएफडीआर यानी डिजिटल फ्लाइट डाटा रिकार्डर में ब्योरा दर्जा होता है। किसी खतरनाक पड़ाव से जुड़ी तमाम मौखिक एवं विजुअल चेतावनियों से काकपिट और दोनों पायलटों की स्क्रीन जगमगा उठी होगी, लेकिन अफसोस कि इस बिंदु पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा। इस दौरान पायलटों ने बातचीत की होगी, जिसका रिपोर्ट में भी उल्लेख है। उन्होंने प्रत्येक चेतावनी को देखते हुए उनके बारी–बारी से निदान का प्रयास भी किया होगा, जिसका परिणाम दोनों इंजन फेल होने और उन्हें रीस्टार्ट करने के रूप में निकला। इसका सेकेंड दर सेकेंड ब्योरा दर्ज हुआ होगा जिसे सीवीआर ट्रांसक्रिप्ट का हिस्सा बनाया जाना चाहिए था। चूंकि इस मामले में जांच सही दिशा में बढ़ती नहीं दिख रही है, इसलिए हमें अपनी आवाज उठानी होगी। मेरा सभी यात्री, पायलट और विमानन संगठनों से अनुरोध है कि वे इसे लेकर कोई जनहित याचिका दायर करें या प्रधानमंत्री से अपील करें कि वे हाई कोर्ट के किसी सेवारत न्यायाधीश से इसकी न्यायिक जांच सुनिश्चित कराएं। इसमें 787 के पायलट और विशेषज्ञ भी शामिल होने चाहिए।

विपक्ष की लोकतंत्र पर चिंता या सत्तालोभ की राजनीति?

ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र आज विश्व के सबसे बड़े, जीवंत और जागरूक लोकतंत्रों में गिना जाता है। यह संविधान की मजबूत नींव, संस्थाओं की पारदर्शिता और जनता की जागरूकता से संचालित होता है। परंतु विडंबना यह है कि देश का विपक्ष, विशेषकर कांग्रेस और उनके नेता राहुल गांधी, बार-बार लोकतंत्र और संविधान पर खतरे की झूठी दुहाई देकर एक अनावश्यक और निरर्थक बहस छेड़ते रहे हैं, वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को घेरने एवं दोषी ठहराने के लिये न केवल उन पर आधारहीन आरोप लगाते रहते हैं, वरन देश की संवैधानिक संस्थाओं, प्रक्रियाओं और संविधान के ही खतरे में होने का राग अलापते हुए उन्हें लांछित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे नेता संविधान की दुहाई देते हैं, वे स्वयं संविधान और कानून की धज्जियां उड़ाते दिखते हैं। लोकतंत्र की आत्मा पर इस तरह का प्रहार विपक्ष की भूमिका पर एक बड़ा प्रश्न है। विडम्बना एवं चिन्ताजनक है कि राहुल गांधी अपनी विदेश यात्राओं में भी मोदी-भाजपा का विरोध करते-करते देश-विरोध पर उतर जाते हैं, जिससे विदेशों में भारत की छवि का भारी नुकसान होता है और विदेशियों को लगता था कि भारत में लोकतंत्र और संविधान ढह रहा है।

नेता-प्रतिपक्ष राहुल गांधी एवं उनके सहयोगी जब यह कहते हैं कि देश में लोकतंत्र समाप्त हो गया है, संविधान खतरे में है, तब यह केवल एक राजनीतिक शगूफा प्रतीत होता है, न कि कोई तर्कसम्मत आलोचना। यदि वास्तव में लोकतंत्र खतरे में होता, तो क्या वे हर मंच से खुलकर सरकार की आलोचना कर पाते? क्या संसद, मीडिया, चुनाव आयोग, और न्यायपालिका जैसी संस्थाएं उनके वक्तव्यों को स्थान देतीं? असल में तो 1975 में लोकतंत्र एवं संविधान खतरे में आये थे जब तत्कालिन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपनी सरकार

बचाने हेतु अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आंतरिक अशांति के आधार पर आपातकाल लगाया तथा लोकतंत्र और संविधान को दरकिनार कर हजारों नेताओं एवं बेगुनाह लोगों को कठोर कानूनों के अंतर्गत जेल भेज दिया। आजादी के बाद तब पहली और आखरी बार लोकतंत्र खतरे में आया था, तब संविधान भी खतरे में चला गया था। राहुल गांधी अपने गिरेबान में झांकने एवं कांग्रेस के अतीत को देखने की बजाय मोदी-भाजपा पर लोकतंत्र एवं संविधान को खतरे में डालने का बेबुनियाद, भ्रामक एवं आधारहीन आरोप मंढते हैं। इन त्रासद स्थितियों में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि विपक्ष लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि अपने खोए हुए जनाधार को पुनः प्राप्त करने के लिए लोकतंत्र को बदनाम करने का प्रयास कर रहा है। विशेषतः लोकसभा हो या विधानसभा के चुनाव-इनमें जरूरी एवं जनता से जुड़े विषयों को उठाने की बजाय लोकतंत्र एवं संविधान के खतरे में होने के राग से जनता को गुमराह करना आम बात हो गयी है देशभर में एवं अनेक राज्यों में बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार आदि के अवैध घुसपैठियें बड़ी मात्रा में घुस आये हैं। अपने वोट बैंक को बढ़ाने के लिये इन घुसपैठियों को इन विपक्षी दलों की शह पर ही जगह मिल रही है, ये घुसपैठियें न केवल फर्जी तरीकों से आधार, पैन, राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि दस्तावेज प्राप्त कर कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता-सूचियों में अपना नाम अंकित करा लिया है। यह लोकतंत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं जनसंख्या संतुलन के लिए गंभीर खतरा है, चुनाव आयोग ने इस पर अपना रुख सख्त करते हुए सभी राज्यों में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण का निर्णय लिया है। बिहार में वह ऐसे लोगों की पहचान संबंधी पहल कर चुका है, पर विपक्ष को इस पर आपत्ति है और इसे सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती भी दी। न्यायालय ने आयोग की इस कार्रवाई पर रोक नहीं लगाई।विपक्ष लम्बे समय से चुनाव आयोग को निशाना बना रहा है, कभी निष्पक्ष मतदान पर तो कभी मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण पर सवाल उठाते रहा है। चूंकि चुनाव ही सत्ता की सीढ़ी है, इसलिए लोकसभा चुनाव में परास्त होने और अनेक राज्यों में अप्रासंगिक होने से चुनाव आयोग पर आरोप तथा लांछन लगाना विपक्ष के लिए काफी आसान हो गया है। कभी वह चुनाव आयुक्तों की नियुक्तियों और निर्णयों पर अंगुली उठाता है, कभी उसे भाजपा के इशारे पर काम करने वाला बताता है, कभी ईवीएम, मतदाता सूची में अनियमितता, डाटा देने में विलंब, दलीय पक्षपात आदि का मुद्दा उठाकर चुनाव आयोग की छवि नष्ट करने का प्रयास करता है। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को हरी झंडी देकर विपक्ष की बोलती बंद कर दी।विपक्ष की भूमिका लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना और वैकल्पिक नीतियों के माध्यम से शासन को दिशा देना होती है। किंतु आज का विपक्ष न तो पाकिस्तान-चीन के खतरनाक मनसूंबों, न गरीबी, न महंगाई, न बेरोजगारी, न सांप्रदायिक सौहार्द, न सीमा पर पड़ोसी देशों की चुनौती, और न ही किसानों, युवाओं और महिलाओं की समस्याओं को लेकर कोई ठोस योजना प्रस्तुत कर पा रहा है और न ही इन बुनियादी मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठा पा रहा है। उनकी राजनीति केवल मोदी और भाजपा विरोध तक सीमित होकर रह गई है। जब राजनीति विकास की बजाय विरोध पर केंद्रित हो जाए, तो वह जनहित नहीं, केवल सत्ता की भूख बन जाती है।विपक्षी दल मोदी एवं भाजपा पर लगातार आक्रामक हैं। राहुल गांधी और अन्य दलों के नेता संविधान की प्रति लहराकर यह दिखाने की कोशिश करते हैं जैसे संविधान खतरे में है और उन्हें उसे बचाना है। लेकिन भारत की जनता अब परिपक्व एवं समझदार हो गयी है, उसे अच्छा-बुरे में फर्क दिखता है। भाजपा पर तानाशाही, संविधान बदलने की साजिश, जनविरोधी नीतियों जैसे आरोप लगाना विपक्ष की आदत बन चुकी है। किंतु हर बार जनता ने चुनाव में स्पष्ट बहुमत देकर इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। जनता जानती है कि ऑपरेशन सिन्दूर, डिजिटल इंडिया, गरीबमुक्त भारत, आत्मनिर्भर भारत, महिला आरक्षण, जी-20 की सफल अध्यक्षता, भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, गरीबों के लिए मुफ्त राशन, उन्नत सड़के, चमकती रेल एवं चमकते रेल्वे स्टेशन, घर, शौचालय और जल जैसी योजनाएं सिर्फ नारों से नहीं, संकल्प और समर्पण से संभव हुई हैं।क्या राहुल गांधी या इंडी गठबंधन के पास कोई ठोस आर्थिक नीति, सुरक्षा रणनीति, या सामाजिक समरसता का ब्लूप्रिंट है? क्या वे यह बता सकते हैं कि वे भारत को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं, या केवल मोदी विरोध को ही नीति मान बैठे हैं? भारतीय जनता राजनीतिक रूप से परिपक्व हो चुकी है। वह अब भावनात्मक और भ्रामक नारों के बजाय ठोस उपलब्धियों और दूरदर्शिता को प्राथमिकता देती है।

गरीब देशों की महामारी ?, प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग

संजीव ठाकुर

भारत जैसे कई विकासशील देशों में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही हैह्न इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा हैह्न अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है। ग्लोबल वार्मिंग का खतरा वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है। ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र में पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं, सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका, ब्रिटेन ,जापान चीन ,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं।विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60% तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43% से 50% तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है

खनिज संसाधनों की पारदर्शी उपलब्धता और संरक्षण प्राथमिकता : माला श्रीवास्तव

- ओवरलोडिंग और अवैध खनन पर स्रोत बिंदु से ही हो कठोर नियंत्रण
- ड्रोन तकनीक से निगरानी, खनिज राजस्व वसूली में अपेक्षित प्रगति के निर्देश

भारत संवाद

लखनऊः सचिव/ निदेशक भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, श्रीमती माला श्रीवास्तव की अध्यक्षता में शुक्रवार को खनन निदेशालय मे खनिज बाहुल्य जनपदों के खनन अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक का उद्देश्य जनसामान्य एवं विकास कार्यों हेतु उपखनिजों की सुगम, सरल और निर्बाध आपूर्ति के साथ-साथ अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करना था।

खनिजों की उपलब्धता बनी रहे—जनहित सर्वोपरि

सचिव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी भण्डारण स्थलों एवं पट्टों से उपखनिजों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है कि उपभोक्ताओं को उचित दरों पर उपखनिज सरलता से प्राप्त हो, जिससे विकास कार्यों में कोई बाधा उत्पन्न न हो।

ओवरलोडिंग पर सख्त रुख— 'स्रोत बिंदु' से ही नियंत्रण जरूरी

श्रीमती माला श्रीवास्तव ने ओवरलोडिंग को खनिज नीति के विरुद्ध बताते हुए निर्देशित किया कि इसका नियंत्रण 'सोर्स पॉइंट' (उत्पत्ति स्थल) से ही किया जाए।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारम्भ कनेक्टिविटी के नये अध्याय की शुरूआत है: नन्दी

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन संकल्प है भारत को तेज, सुलभ और आधुनिक यातायात व्यवस्था से जोड़ने का: नन्दी

- राजेंद्र नगर पटना से दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का सुबेदारगंज जंक्शन पर हुआ स्वागत
- औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने अमृत भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली के लिए किया रवाना

भारत संवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुक्रवार को देश को समर्पित चार अमृत भारत एक्सप्रेस में एक राजेंद्र नगर पटना से दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस के प्रथम आगमन पर सुबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री नन्दी ने अधिकारियों के साथ राजेंद्रनगर से पटना जाने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस के सुबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर आगमन पर ट्रेन का स्वागत किया। वहीं ट्रेन में सवार पैसेंजर्स का अभिनन्दन किया। ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर नई दिल्ली के लिए रवाना किया। इस अवसर पर डीआरएम रजनीश अग्रवाल, सीनियर डीसीएम अतुल यादव एवं अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे। एलएचबी कोच, एलईडी लाइट्स, मोबाइल चार्जिंग व बायो-टॉयलेट्स के साथ ही अन्य कई आधुनिक सुविधाओं से लैस राजेंद्रनगर पटना से नई दिल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन के सुबेदारगंज रेलवे स्टेशन पर प्रथम आगमन पर आयोजित स्वागत कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मंत्री नन्दी ने ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर के माध्यम से रेल यातायात को नया विस्तार और रेल यात्रियों को सुगम और सुरक्षित यात्रा मिल रही है। निश्चित रूप से इस नए आधुनिक ट्रेन के शुभारंभ होने से अब प्रयागराज के यात्रियों का प्रयागराज से दिल्ली का सफर और भी आसान और आरामदायक हो जाएगा। मंत्री नन्दी ने कहा कि अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन का शुभारम्भ कनेक्टिविटी के नये अध्याय की शुरूआत है। जो प्रधानमंत्री के विजन और उनके देश की जनता की प्रगति व सुविधा के प्रति समर्पण का प्रतीक है। ₹अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक संकल्प है- भारत को तेज, सुलभ और आधुनिक यातायात व्यवस्था से जोड़ने का। यह ट्रेन देश के आम जन को समर्पित है, जो रोज अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिए भारतीय रेलवे पर भरोसा करते हैं। मंत्री नन्दी ने कहा कि इस ट्रेन की विशेषताएँ आधुनिक भारत की तस्वीर को दशार्ती हैं। इसमें बेहतर कोच, स्वच्छता की सुविधा, तेज रफ्तार, आरामदायक सीटें और यात्रियों की सुरक्षा के लिए आधुनिक तकनीक का समावेश किया गया है।

फास्ट ट्रैक

थाना को0कटरा पुलिस द्वारा 23.30 ग्राम अवैध हेरोईन के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

भारत संवाद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही तथा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं । उक्त निर्देश के अनुक्रम में आज दिनांकः 18.07.2025 को थाना को0कटरा पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी । अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी नगर के नेतृत्व में उप निरीक्षक चन्द्रभान सिंह व उप निरीक्षक अरूण कुमार यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना को0कटरा क्षेत्रांतर्गत दयावन्तपुरम कालोनी के पास कच्ची सड़क से 01 नफर अभियुक्त दीपक बिन्द पुत्र राजकुमार बिन्द निवासी सोहता का अड्डा थाना को0कटरा जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से 23.30 ग्राम अवैध हेरोईन बरामद किया गया । उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना को0कटरा पर मु0अ0सं0-215/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत एनडीपीएस एक्ट के अभियोग से सम्बन्धित आरोपी को करायी गयी 05 माह के कठोर कारावास एवं 5000 के अर्थदण्ड की सजा

भारत संवाद

श्रीमान पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के निर्देश पर चलाये जा रहे अभियान ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत ₹पीयूष मोर्डियाः₹ अपर पुलिस महानिदेशक वाराणसी जोन, वाराणसी के निर्देशन में, आर.पी.सिंह पुलिस महानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र मीरजापुर के नेतृत्व में सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में महिला सम्बन्धित अपराध सहित लूट,हत्या,डकैती,धर्म परिवर्तन,गोवध अधिनियम व अन्य जघन्य अपराधों में प्राथमिकता के आधार पर लगातार गुणवत्तापूर्ण विवेचना तथा अभियोजन की सशक्त एवं प्रभावी पैरवी करायी जा रही है ।उक्त अभियान के क्रम में थाना पड़री पर एनडीपीएस एक्ट से सम्बन्धित पंजीकृत अभियोग में पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी करते हुए गवाहों को मा0न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर गवाही करायी गयी ।

प्रयागराज में शोध फाउंडेशन द्वारा दो दिवसीय 'शोधशाला' राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

भारत के विभिन्न राज्यों से 120 शोध प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा, अनुसंधान की भारतीय दृष्टि पर हुआ मंथन

भारत संवाद

प्रयागराज/ लखनऊ ,शोध फाउंडेशन द्वारा अनुसंधान एवं नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पावन नगरी प्रयागराज स्थित भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (IIIT) में शोधशाला नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन स्वामी विवेकानंद एवं मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया, जिसमें मुख्य स्थिति के रूप में IIIT प्रयागराज के निदेशक प्रो. मुकुल शरद, मुख्य वक्ता के रूप में अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान, शोध फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक श्री अर्जुन आनंद एवं अभाविप काशी प्रांत की अध्यक्षा प्रो. सुचिता त्रिपाठी उपस्थित रहे ।इस राष्ट्रीय कार्यशाला में भारत के सभी राज्यों से आए कुल 120 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य अनुसंधान को अधिक प्रभावशाली बनाना, अकादमिक एवं औद्योगिक क्षेत्रों के बीच समन्वय को सशक्त करना, तथा युवा शोधार्थियों को नवीनतम शोध पद्धतियों एवं संसाधनों से परिचित कराना रहा। उद्घाटन सत्र के उपरांत ईश्वर शरण महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. आनंद शंकर सिंह ने भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर विचार रखे ।दिल्ली विश्वविद्यालय स्थित डॉ. बी.आर. अंबेडकर बायोमेडिकल रिसर्च सेंटर के निदेशक प्रो. सुनीत कुमार सिंह ने भारत में जीवंत अनुसंधान के लिए प्रकाशन के अवसर विषय पर सारगर्भित वक्तव्य दिया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री आशीष चौहान ने ₹शोध में संभावनाएं एवं अवसर₹ विषय पर प्रतिनिधियों को संबोधित किया। कार्यशाला के दौरान तीन समानांतर संवाद सत्रों का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि IIIT प्रयागराज के निदेशक प्रो. मुकुल शरद ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अनुसंधान को केवल एक प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक संस्कृति के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने शोध के विभिन्न चरणों के माध्यम से मानवता के कल्याण को केंद्र में रखने की बात कही ।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व अभाविप के राष्ट्रीय संगठन मंत्री आशीष चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि प्रयागराज में कुछ माह पूर्व आयोजित आध्यात्मिक महाकुंभ की भांति ही यह शोध कार्यशाला भी ज्ञान के मंथन का केंद्र बन रही है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि आज भी भारत की कई कंपनियां नवाचार के बजाय केवल नकल कर रही हैं और उनका योगदान आज भी अनुसंधान में काफी कम है। गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान के लिए जरूरी है कि हम संसाधनों के समुचित उपयोग के साथ मतभेदों से ऊपर उठकर कार्य करें। शोध फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक अर्जुन आनंद ने कहा कि आज भारत का शैक्षणिक तंत्र औपनिवेशिक मानसिकता से ग्रसित है।

न्याय की देवी अहिल्याबाई होलकर निष्पक्ष न्याय की प्रतीक- न्यायमूर्ति गौतम चौधरी

भारत संवाद

प्रयागराज, ऐश्वर्यम साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था के तत्वावधान में न्याय की देवी विषय पर एक भव्य व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन सावित्री गार्डन, भावापुर, प्रयागराज में सम्पन्न हुआ। यह आयोजन महाशासिका माता देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयन्ती को समर्पित था, जिन्होंने भारतीय इतिहास में निष्पक्ष न्याय, धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक कल्याण के स्तम्भ स्थापित किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इलाहाबाद उच्च न्यायालय के माननीय न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी ने अपने उद्बोधन में माता अहिल्याबाई को न्याय की जीवंत मूर्ति बताते हुए कहा किमाता अहिल्याबाई का शासन आज भी एक आदर्श है, जहाँ न्याय जाति, धर्म, लिंग से परे होकर मात्र सत्य और नीति पर आधारित था।

निष्पक्ष न्याय का प्रतीक शासन

माता अहिल्याबाई होलकर 18वीं सदी की वह विलक्षण महिला थीं जिन्होंने एक विधवा होते हुए भी सिंहासन सम्भाला और पुरुष-प्रधान राजनीति में अपनी न्यायप्रियता, नीति, धर्मनिष्ठा और निर्भीक नेतृत्व से स्थायी छाप छोड़ी। उनके दरबार में हर फरियादी को बिना भेदभाव न्याय मिलता था,चाहे वह ब्राह्मण हो या दलित, हिन्दू हो या मुस्लिम।

इतिहासकार मानते हैं कि उन्होंने अंधविश्वास के विरुद्ध लोकशिक्षा को बल दिया, विधवाओं के पुनर्विवाह को प्रोत्साहन दिया और धार्मिक स्थलों का पुनर्निर्माण करके सभी समुदायों में एकता का सन्देश दिया।

आज की आवश्यकता

कार्यक्रम के आयोजक एवं ऐश्वर्यम्-संस्था के प्रबन्धक अधिवक्ता एम. के. राजपाल ने कहा –

आज जब समाज में न्याय की परिभाषा कहीं न कहीं धूमिल हो रही है, तो माता अहिल्याबाई होलकर के विचार और कार्य हमारे लिए दीप स्तम्भ हैं। उन्हें 'कानून की देवी' के रूप में राष्ट्रीय स्मृति में स्थान देना न्याय और धर्म के लिए एक उचित सम्मान होगा।

संकल्प और सन्देश

कार्यक्रम में वक्ताओं ने यह भी मांग की कि भारत सरकार माता अहिल्याबाई को राष्ट्रीय प्रतीक स्वरूप मान्यता दे और उनके नाम पर न्याय दिवस मनाया जाए, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ निष्पक्ष न्याय, स्त्री शक्ति और धर्मनिष्ठ शासन के मूल्यों से प्रेरित हों। कार्यक्रम में विद्यार्थियों, वकीलों, सामाजिक कार्यकताओं एवं साहित्यप्रेमियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन 27 जुलाई को अपना तीसरा स्थापना मना रहा दिवस

भारत संवाद

सामाजिक संस्था मदद फाउंडेशन 27 जुलाई को अपना तीसरा स्थापना दिवस मना रहा है जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित हैं। मदद फाउंडेशन विगत 3 वर्षों से रविवार की रसोई संचालित कर गरीब, असहाय, दिव्यांग, निराश्रित, मानसिक रूप से अस्वस्थ एवं फुटपाथ पर रहकर जीवन यापन करने वालों के लिए भोजन - पानी की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध कर उनकी पीड़ा को कम करने का प्रयास कर रही है।

स्थान : हिंदुस्तानी अकैडमी सिविल लाइंस प्रयागराज

समय : दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद की बैठक संपन्न

बैठक में निषादराज पार्क के रख-रखाव हेतु ई-निविदा कराये जाने, स्वदेश दर्शन 2.0 के अन्तर्गत प्रयागराज के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को सम्मिलित करने के दिए गए सुझाव

भारत संवाद

जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद, प्रयागराज की बैठक आहूत की गयी, जिसमें जिसमें क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, संस्कृति विभाग, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी, जिला पंचायतीराज अधिकारी, जिला सूचना अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, वन विभाग के अधिकारी, जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद के नामित सदस्य श्री आर.पी. बघेल आदि उपस्थित रहें। बैठक में निषादराज पार्क के रख-रखाव हेतु ई-निविदा कराये जाने, स्वदेश दर्शन 2.0 के अन्तर्गत प्रयागराज के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को सम्मिलित करने के सुझाव दिये गये ।इसके साथ ही प्रयागराज में पर्यटन स्थलों के प्रचार-प्रसार हेतु रील्स व वीडियो बनाते हुए जनपद के वेबसाइट व पर्यटन की वेबसाइट पर प्रदर्शित कर प्रचार किया जाये ।होम स्टे पॉलिसी का प्रचार करते हुए पूर्व में पंजीकृत पेइंग गेस्ट हाउस आवेदकों को आवेदन कराया जाये व जनपद में हो रहे पर्यटन विकास कार्यों को निश्चित समयावधि में मॉनीटरिंग करते हुए ससमय पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिये गये।

बिहार में पंजीकृत मतदाता 25 जुलाई तक गणना प्रपत्र भरने एवं आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने की अपील

भारत संवाद

लखनऊः उत्तर प्रदेश के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री विनय कुमार पाठक ने बताया कि बिहार राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण-2025 अभियान संपादित किया जा रहा है। इस पुनरीक्षण अवधि में बिहार राज्य में पंजीकृत कई मतदाता अस्थाई रूप से राज्य से बाहर हैं।ऐसे उ0प्र0 में प्रवासी मतदाता ECINET App एवं https://voters.eci.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन गणना प्रपत्र स्वयं भर सकते हैं।इसके अलावा प्री फिल्ड फार्म डाउनलोड कर हस्ताक्षरित प्रति व्हाट्सअप, ईमेल या परिवार के सदस्यों के माध्यम से 25 जुलाई, 2025 तक बिहार राज्य में अपने बीएलओ को प्रेषित कर सकते हैं।उन्होंने बताया कि बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण में निर्धारित 11 दस्तावेजों में से कोई भी एक गणना प्रपत्र के साथ संलग्न किया जा सकता है।

हैलो मैं आदर्श पांडेय आ रहा हूं पट्टी विधानसभा प्रथम से क्या आप सभी भाईयों का साथ सहयोग मिलेगा

भारत संवाद

एक बार आप सभी जनमानस मौका दें मैं आपका आदर्श हूं आपकों निराश नहीं करूंगा हमेशा आप सभी के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर चलुंगा,,

आगामी पंचायत चुनाव में आपका यह बेटा, भाई, साथी जिला पंचायत सदस्य पद हेतु पट्टी प्रथम से प्रत्याशी के रूप में आप सबके समक्ष आशीर्वाद का आकांक्षी रहेगा ।।

आप सभी का स्नेह, समर्थन और सहयोग पूर्व की भांति सदैव मिलता रहे, जिससे कि आपका मनोबल, आपका साहस, आपके द्वारा दी गई जिम्मेदारी के लिए सदैव आप सबके मध्य में रहकर, आपकी उम्मीदों में खरा उतरकर कार्य कर सकूँ।।

मेरे लिए खुशी की बात यही होगी कि एक सामान्य से परिवार के बेटे को आप सब ने जो तरजीह दी है, जो हौंसला दिया, जिन संघर्षों में हमारे साथ रहकर, हमे इस लायक समझा की मैं भी इस योग्य हो सकता हूं, मेरे लिए ये काफी भावुक क्षण प्रतीत हो रहा है।।

मैं आप सबको यह विश्वास दिलाता हूं कि यदि ईश्वर की कृपा रही और आप सब सम्मानित जनो का आशीर्वाद रहा तो आपके भरोसे में कभी कोई गिरावट नहीं आएगी, आपकी उम्मीदों से ऊपर आपका यह बेटा, भाई आपके समक्ष हर परिस्थिति में आपके साथ खड़ा मिलेगा।।

आपके सहयोग, आशीर्वाद का आकांक्षी -

आपका अपना आदर्श पांडेय

!! मिशन 2026- लक्ष्य : पट्टी प्रथम !!

।। निवेदक- समस्त सम्मानित क्षेत्रवासी ।।

भेंटवार्ता

देहरादून से दिल्ली तक की यात्रा और नेपाली फार्म से लेकर तपोवन तक की यात्रा को कम समय में सहज व सुगम बनाने के लिये सड़क मार्ग को बेहतर बनाने हेतु चर्चा हुई

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी, सड़क परिवहन, राजमार्ग व जहाजरानी मंत्री, भारत सरकार, श्री नितिन गडकरी जी और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव जी की दिल्ली में हुई विशेष भेंटवार्ता

- देहरादून से दिल्ली तक सड़क निर्माण चार माह में और नेपाली फार्म से लेकर तपोवन तक 1 वर्ष की अवधि में बन कर तैयार करने की योजना
- हरिद्वार से लेकर ऋषिकेश के बीच मेट्रो चलाये जाने पर भी हुई चर्चा ताकि यहां आने वाले पर्यटकों व तीर्थयात्रियों की यात्रा सहज व सुगम होने साथ ही प्रदूषण से मुक्त हो

भारत संवाद

नई दिल्ली। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने भारत सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों, सड़क परिवहन, राजमार्ग और जहाजरानी मंत्री माननीय श्री नितिन गडकरी जी एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री माननीय श्री भूपेन्द्र यादव जी से दिल्ली में विशेष भेंटवार्ता हुई। यह भेंट सड़क विकास की योजनाओं, तीर्थाटन की सहजता, पर्यावरण की रक्षा और सतत, हरित व सुरक्षित भारत के निर्माण पर भी केंद्रित रही ।इस भेंटवार्ता में विशेष रूप से देहरादून से दिल्ली तक और नेपाली फार्म से तपोवन तक सड़क मार्गों को सुगम, सुरक्षित और आधुनिक बनाने पर चर्चा हुई। ये दोनों मार्ग, जो उत्तराखंड के पर्यटन और अध्यात्मिक यात्रा के प्रमुख रास्ते हैं, अब आगामी चार माह से लेकर एक वर्ष की समयावधि में नव रूप में तैयार किए जाने की योजना के विषयों पर भी चर्चा हुई। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि तीर्थ क्षेत्र एक स्थान नहीं, वह भाव है।जब तीर्थों तक की यात्रा सहज, सुगम और सुरक्षित होती है, तो श्रद्धालुओं का विश्वास और नुभव दोनों और भी दिव्य हो जाते है।हरिद्वार से ऋषिकेश के बीच मेट्रो सेवा प्रारम्भ करने की संभावना पर भी गहन चर्चा हुई। यह पहल तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की सुविधा को बढ़ाएगी साथ ही पर्यावरण के दृष्टिकोण से भी अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।मेट्रो जैसे सार्वजनिक परिवहन से यातायात का दबाव घटेगा और वायु प्रदूषण में भी कमी आएगी। स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि सड़कें हमारे राष्ट्र की धमनियाँ हैं और पर्यावरण उसकी प्राणवायु है।जब हम सड़कें बनाते हैं, तो हमें वृक्षारोपण और हरियाली को भी प्राथमिकता देनी होगी।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने माननीय श्री नितिन गडकरी जी के उस समर्पण और संकल्प का अभिनन्दन किया जिसके द्वारा उन्होंने देशभर में सड़कों का अभूतपूर्व जाल बिछाया है। स्वामी जी ने कहा, पहले लोग हनुमान चालीसा पढ़ते थे, आज पूरा विश्व हिन्दुस्तान चालीसा पढ़ रहा है। पहले लोग यात्रा के दौरान टूटी-फूटी सड़कों पर यात्रा व प्रवास करते हुये हनुमान चालीसा पढ़ते थे परन्तु अब पूरा विश्व हिन्दुस्तान चालीसा पढ़ रहा है क्योंकि सड़के, इतनी सुन्दर व विशाल है बन गयी है और ये सब भारत के ऊजार्वान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में श्री नितिन गड़करी जी को जाता है। भारत की गति, भारत की सड़कें, भारत की संस्कृति, सब वैश्विक मंचों पर सम्मान पा रही हैं। इसी दौरान, स्वामी जी और पर्यावरण मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव जी ने एक पेड़ माँ के नाम और एक पेड़ धरती माँ के नाम का संकल्प कराते हुये कहा कि यह पहल केवल वृक्ष लगाने का अभियान नहीं, बल्कि भावनात्मक और पर्यावरणीय पुनर्जागरण का संदेश भी है।स्वामी जी ने कहा कि अगर हमने अपने भीतरी पर्यावरण को स्वच्छ कर लिया, विचारों को, व्यवहार को और दृष्टिकोण को, तो बाहरी पर्यावरण को स्वच्छ रखना सहज हो जाएगा। आज जब भारत विश्वपटल पर अपने तेजी से विकसित हो रहे बुनियादी ढांचे के लिए पहचाना जा रहा है, तब हमें यह भी सुनिश्चित करना है कि विकास की यह दौड़ प्रकृति के साथ समरसता में हो।

इंटर पास छात्रों को कौशल विकास के क्षेत्र में पारंगत करेगा मुविवि- प्रोफेसर सत्यकाम

यूपी बोर्ड और यूपीआरटीओयू में शैक्षिक सहयोग के लिए हुआ एम ओ यू

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज और माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश के बीच शुक्रवार को शैक्षिक सहयोग हेतु समझौता ज्ञापन एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए ।समझौता ज्ञापन के उपरांत दोनों संस्थानों के बीच शैक्षिक सहयोग बढ़ेगा, जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण मिलेगा। इस समझौता ज्ञापन के तहत मुक्त विश्वविद्यालय ऐसे पाठ्यक्रम विकसित करेगा जो प्रतिवर्ष माध्यमिक शिक्षा परिषद से इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले लाखों छात्रों की जरूरतों को पूरा करेंगे। कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने बताया कि इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद छात्रों को रोजगार के क्षेत्र में मुक्त विश्वविद्यालय नई दिशा प्रदान करेगा। मुक्त विश्वविद्यालय इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण कर आने वाले छात्रों को विषय के चयन तथा कौशल विकास के क्षेत्र में भी पारंगत करेगा। यह कार्य मुक्त विश्वविद्यालय अपने सभी 12 क्षेत्रीय केन्द्रों एवं प्रदेश में स्थापित समस्त अध्ययन केन्द्रों के सहयोग से करेगा। जहां यूपी बोर्ड से 12 वीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्रों की उनकी रुचि के अनुसार विषयों के चयन की काउंसलिंग की जाएगी। जिससे वह अपने कैरियर का उन्नयन कर सकेंगे तथा रोजगार की संभावनाएं तलाशने में उन्हें दिग्भ्रमित नहीं होना पड़ेगा। इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश के सचिव श्री भगवती सिंह ने कहा कि दोनों संस्थाओं के बीच एम ओ यू का उद्देश्य छात्रों के बीच शैक्षिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देकर पारस्परिक सहयोग, शैक्षणिक सहभागिता तथा सांस्कृतिक संपर्क को बढ़ाना है। श्री सिंह ने कहा कि इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों की विस्तृत जानकारी मुक्त विश्वविद्यालय के साथ साझा की जाएगी

ज्ञानेंद्र जाते जाते दो लोगों की जिंदगी रोशन कर गए ऐसे होते लोग परोपकारी - महान दानी

भारत संवाद

अलीगढ़। अलीगढ की देह दान कर्त्तव्य संस्था ने वर्षों की भाती एक बार फिर सौहार्दपूर्ण वातावरण में सफलता पूर्वक नेत्रदान कराया। देहदान कर्त्तव्य संस्था के अध्यक्ष डॉ.एस.के.गौड़ को संजय गोयल का फोन आया कि 83 वर्षीय आगरा रोड निवासी ज्ञानेन्द्र का स्वर्गवास होगया है उनका नेत्रदान होना है, तो तुरंत ही डॉ.गौड़ ने डॉ श्रॉफ आई केयर वृंदावन के डॉ.रोशन को नेत्र दान प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए सूचित कर दिया । उन्होंने अविलम्ब ही अपनी टीम के साथ महानगर आकर इस नेत्रदान जैसे मानवीय कार्य को पूर्ण कर दिया जबकि इस अवसर पर समूह को सम्बोधित करते हुए सदस्य भुवनेश आधुनिक ने कहा कि इससे बड़ा शायद ही कोई मानवीय कार्य हो। वहीं डॉ गौड़ ने संस्था की ओर से महादानी ज्ञानेंद्र के परिवार को साधुवाद के लिए आभार व्यक्ति करते हुए कहा कि यह अद्वितीय कार्य रूढ़ीवादिता त्याग लीक से हटकर हुआ और अक्सर लोग पार्थिव शरीर को जलाते हैं लेकिन इस परिवार ने उदाहरणार्थ अद्वितीय और मानवीय कदम उठाया।इस दौरान डॉ गौड़ ने

अपना नंबर देते हुए कहा कि आप भी इस मुहिम में हार्दिक सहयोगी बन सकते हैं। इस दौरान यहां पर डॉ.डी.के.वर्मा,डॉ.जयंत शर्मा,डॉ. आशा राठी,अजय राणा,एडवोकेट अनिल राज गुप्ता,उमेश सरकोड़ा, अजय और संजय धनंजय आदि सहयोगी बने।

रक्षा अध्ययन से विद्यार्थियों को मिलेंगे रक्षा क्षेत्र में करियर के व्यापक अवसर

मंगलायतन विश्वविद्यालय में हुआ रक्षा अध्ययन संस्थान का शुभारंभ

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। मंगलायतन विश्वविद्यालय ने शिक्षा के क्षेत्र में एक और अभिनव पहल करते हुए शैक्षणिक सत्र 2025-26 से इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रेटजिक स्टडीज की शुरूआत की है। यह संस्थान राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक अध्ययन, रक्षा नीति जैसे विषयों पर उच्च गुणवत्ता की शिक्षा, शोध और नीति निर्माण को बढ़ावा देगा। मंगलायतन विश्वविद्यालय में इस इंस्टीट्यूट द्वारा संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रम उन युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है जो भारतीय सेना, अर्धसैनिक बल, सिविल सेवा, नीति अनुसंधान, रक्षा पत्रकारिता, खुफिया तंत्र व रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक प्रेस वार्ता भी आयोजित की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दशोरा ने कहा कि मंगलायतन विश्वविद्यालय संस्कृति, शिक्षा और अनुसंधान में उत्कृष्टता की अपनी प्रतिबद्धता के लिए पहचाना जाता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य और भारत की सामरिक भूमिका को देखते हुए डिफेंस एंड स्ट्रेटजिक स्टडीज की शुरूआत महत्वपूर्ण पहल है। यह संस्थान देश के युवाओं को रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन के क्षेत्र में सशक्त बनाएगा। इसी को ध्यान में रखते हुए यह संस्थान स्थापित किया जा रहा है। संस्थान के उद्देश्य और कोर्स विवरण साझा करते हुए बताया कि यहां बी.ए. और बी.एससी. (डिफेंस एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज) पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। दोनों पाठ्यक्रमों की अवधि चार वर्ष होगी। प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता बारहवीं में 45 प्रतिशत अंक निर्धारित है। पाठ्यक्रमों की वार्षिक फीस 40,000 रखी गई है। इसकी दो शाखाएं गठित की जाएंगी। एक शाखा शिक्षण व दूसरी करियर मार्गदर्शन करेगी। कुलपति ने बताया कि ढांचागत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर), प्रतिवर्ष छात्रों की बढ़ती संख्या, अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित प्रयोगशालाएं मंगलायतन की खास पहचान हैं। इनमें लैंग्वेज लैब और सेंट्रल लैब अपनी विशेषताओं के साथ-साथ विद्यार्थियों की प्रतियोगी शिक्षा के लिए लाभदायक हैं और समग्र विकास और भविष्य की सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं। कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने कहा कि इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज के अंतर्गत शुरू किए गए दोनों पाठ्यक्रम विद्यार्थियों के लिए करियर के व्यापक अवसर खोलेंगे। इन पाठ्यक्रमों के माध्यम से छात्र भारतीय सेना, अर्धसैनिक बल, सिविल सेवा, रक्षा अनुसंधान, मीडिया, खुफिया एजेंसियों और रक्षा उत्पादन जैसे क्षेत्रों में अपना भविष्य बना सकेंगे। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय का हरित परिसर आधुनिक सुविधाओं से युक्त है तथा शिक्षण कार्य अनुभवी और शोधपरक दृष्टिकोण वाले प्राध्यापकों द्वारा किया जाता है। रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों के साथ इंडस्ट्री-एकेडमिक गठजोड़, छात्रवृत्ति योजनाएं, प्लेसमेंट सहायता और नवाचार को प्रोत्साहन देने वाला अकादमिक वातावरण विद्यार्थियों को उत्कृष्टता की ओर अग्रसर करता है। वहीं यहां सेना में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों को मार्गदर्शन व प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल देता है। डिफेंस एंड स्ट्रेटजिक स्टडीज के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को केवल अकादमिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखा जाएगा

फास्ट ट्रैक

पैरामाउंट इंग्लिश स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

भारत संवाद / योगेश शर्मा

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी पैरामाउंट इंग्लिश स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपने विभिन्न प्रकार के मॉडल्स को प्रदर्शित किया।जिसका प्रशिक्षण विद्यालय के प्रबंधक श्री चंदन शर्मा व प्रधानाचार्य श्रीमती कल्पना शर्मा द्वारा किया गया जिनके सहायक अध्यापकों सपन सिंह, नीतू सिंह, श्वेता गोला, नीरज शर्मा, जगत शर्मा, जतिन चौधरी की मौजूदगी में संपन्न हुआ।

नगर विधायक ने निःशुल्क चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया

भारत संवाद

मानव अधिकार सेवा सुरक्षा सगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुशील चैधरी श्रीमति आशा पार्ले के नेतृत्व में आज कावड़ियों की सेवार्थ निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन देहरादून रोड पर लगाया जिसका विधिवत उद्घाटन नगर विधायक राजीव गुम्बर व राज्यमंत्री के अनुज ने रीबन काटकर किया। सरंक्षक वीणा बजाज व श्रीमति निशा जैन द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम सयोजक सुशील चैधरी व आशा पार्ले विकास पवार, पुष्पा मलिक द्वारा मुख्य अतिथि नगर विधायक राजीव गुम्बर मंत्री के भाई कृष्ण कुमार, गगन गुम्बर अध्यक्ष प्रेरणा क्लब व संस्था के सरंक्षक वीना बजाज संस्था के पदाधिकारी निशा जैन विकास पवार पुष्पा मलिक आदि सहयोगी सदस्यो को अन्य अतिथियों को मोमेंटो भेंट कर पटका माला पहनाकर स्वागत किया गया।

चिकित्सा विभाग द्वारा कांवड यात्रा में किये जा रहे सराहनीय कार्य

जनपद में स्वास्थ्य सेवा की पेश जा रही है मिसाल: जिलाधिकारी

भारत संवाद सहारनपुर। जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल के निदेर्शानुसार मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रवीण कुमार के कुशल नेतृत्व में 11 से 23 जुलाई तक चलने वाली काँवड यात्रा के लिये व्यापक और उत्साह पूर्ण तैयारिया की गयी है ताकि शिव भक्तों की यात्रा सुगम स्वस्थ, सुरक्षित और व्यवस्थित हो। .काँवड यात्रा 2025 में उत्तराखण्ड सीमा ढाल्ला चैरा से हरियाणा सीमा शाहजंहापुर तक कुल 22 अस्थायी स्वास्थ्य शिविर लगाये गये है। जिससे कांवडियों को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो रही है।

निःशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर एवं आयुष ग्राम सर्वे कार्यक्रम संपन्न

शिविर में विभिन्न आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा 209 रोगियों का किया गया निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): राजकीय आयुष सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक अहम पहल करते हुए आयुष ग्राम बरला (उपकेंद्र बरला) में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर डॉ0 नरेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी के निर्देशन में संपन्न हुआ।शिविर में विभिन्न आयुष चिकित्सा पद्धतियों के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा कुल 209 रोगियों का निःशुल्क परीक्षण एवं उपचार किया गया। यूनानी चिकित्सा पद्धति से प्रभारी राजकीय यूनानी चिकित्सालय डॉ0 मोहम्मद अफजल द्वारा 53 रोगियों, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय अतरौली डॉ0 सुग्रीव अशोक एवं राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय साधु आश्रम डॉ0 अभिषेक महेश्वरी द्वारा 65 रोगियों एवं होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति सं राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय पेंड्रा डॉ गौरव कुमार व राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय कुलवा डा0 बीना त्रिपाठी द्वारा 91 रोगियों को परामर्श व उपचार प्रदान किया गया। शिविर के दौरान औषधि वितरण कार्य में करन, आशीष, किताब सिंह, कपिल, फार्मासिस्ट अब्दुल रहमान, शाहिद अली, सतीश कुमार, प्रेमपाल एवं पुनीत कुमार द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल छेरत के तत्वावधान में निःशुल्क स्वास्थ्य सर्वे कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। कॉलेज के प्रभारी डॉ0 योगेश परिहार प्रवक्ता डॉ0 विष्णु सैनी एवं डॉ0 वेद प्रकाश के नेतृत्व में 14 इंटर्नशिप छात्रों की टीम द्वारा ग्राम बरला के 84 घरों का सर्वेक्षण कर स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी एकत्रित की गई। इस अवसर पर डॉ0 नरेंद्र कुमार ने बताया कि आयुष मंत्रालय की दिशा-निदेर्शों के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में आयुष चिकित्सा पद्धतियों के प्रचार-प्रसार एवं उपयोग को बढ़ावा देने के लिए ऐसे शिविर निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं।

कावड़ यात्रा 2025 को सकुशल संपन्न कराने के लिए एसएसपी ने की सिविल डिफेंस के लोगों के साथ बैठक

कावड़ यात्रा में सिविल डिफेंस के लोगों की होती है अहम भूमिका: एसएसपी

भारत संवाद

सहारनपुर। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आशीष तिवारी ने सिविल डिफेंस के लोगों से पुलिस लाइन सभागार में बैठक की तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसएसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करने के लिए पुलिस प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सिविल डिफेंस के लोगों की भी इस दौरान ड्यूटी लगाई जाती है। पुलिस प्रशासनिक और सिविल डिफेंस के लोगों की आपस में वार्ता कराई गई है

मासिक राजस्व समीक्षा बैठक सम्पन्न

- डीएम ने राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिए निर्देश
- विभागीय अधिकारी तहसीलों में आर सी मिलान कराते हुए वसूली कराएं, प्रवर्तन कार्य मे भी तेजी लाएं

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में मासिक कर करेत्तर राजस्व वसूली समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राजस्व विभाग से जुड़े विभिन्न अधिकारियों, उप जिलाधिकारियों, तहसीलदारों एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी संबंधित अधिकारी राजस्व वसूली को प्राथमिकता दें और शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की समयबद्ध प्रतिपूर्ति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व संग्रहण की प्रगति का नियमित विश्लेषण करते हुए ऐसे कारगर उपाय अपनाए जाएं, जिससे वसूली में निरंतर सुधार हो। उन्होंने कहा कि अधिकारी दायित्वबोध और उत्तरदायित्व के साथ कार्य करें, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप जिले में राजस्व प्रशासन को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को तहसीलों में आर सी मिलान कराते हुए राजस्व वसूली में तेजी लाएं।

डॉ ज्योति शर्मा को बनाया गया इगलास सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अधीक्षक

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़ लक्ष्मण देवदत्त सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र इगलास पर चल रहे सियासी झगड़ा एवं भ्रष्टाचार के आरोप प्रत्यारोपण के बीच राज्य सरकार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं बृजेश पाठक स्वास्थ्य मंत्री द्वारा डॉक्टर ज्योति शर्मा को इगलास सीएससी का अधीक्षक बनाया गया अलीगढ़ सांसद सतीश गौतम द्वारा स्वास्थ्य मंत्री एवं मुख्यमंत्री को एक लेटर सीनियर डॉक्टर ज्योति शर्मा को अधीक्षक पर नियुक्त किए जाने के लिए भेजा गया एक और पत्र ब्लॉक प्रमुख द्वारा स्वास्थ्य मंत्री के लिए भेजा गया जिस पर स्वास्थ्य मंत्री एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा डॉक्टर ज्योति शर्मा को तत्काल प्रभाव से अधीक्षक नियुक्त करने के आदेश दिए गए मुख्यमंत्री के आदेशों के बावजूद भी डॉ ज्योति शर्मा को गुरुवार दोपहर 3:00 बजे करीब सीएमओ नीरज त्यागी के प्रयासों के बाद अधीक्षक पद का चार्ज मिला जिस पर सभी हॉस्पिटल स्टाफ के चेहरो पर खुशी की लहर देखी गई

एकल अभियान प्रभाग: नैपुण्य वर्ग का भव्य समापन

सहारनपुर। एकल अभियान के प्रभाग पी-5 का 7 दिवसीय प्रभाग नैपुण्य वर्ग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की , सहारनपुर परिसर में उत्साह और नई ऊर्जा के साथ सम्पन्न हुआ।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक सम्पन्न

भारत संवाद

अयोध्या ,जिलाधिकारी श्री निखिल टीकाराम के निर्देश पर मुख्य विकास अधिकारी श्री कृष्ण कुमार सिंह की अध्यक्षता में संचारी रोगों की रोकथाम एवं जनसामान्य के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान-2025 के अंतर्गत अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की तृतीय साप्ताहिक समीक्षा बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी विभाग ब्लॉक एवं ग्राम स्तर तक बैठकें आयोजित कर समन्वित प्रयास करें। सभी अधिकारी क्षेत्र भ्रमण कर जमीनी हकीकत का मूल्यांकन करें और सुनिश्चित करें कि किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान को प्राथमिकता के आधार पर लिया जाए, ताकि जनपद को संचारी रोगों से पूरी तरह मुक्त किया जा सके।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा सूचना सं.: टीएमसी/सीपीओएच/प्रया./25-26/03 दिनांकः 17.07.2025

ई-निविदा सूचना

मुख्य कारखाना प्रबन्धक/टीएमसी/सी0पी0ओ0एच/उत्तर मध्य रेलवे प्रयागराज द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक **11.08.2025** तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः

निविदा सं.: टीएमसी-सीपीओएच-प्रया-05-25-26	
कार्यों का विवरणः दो वर्ष के लिए कार्य की अनुसूची के अनुसार ट्रैक मशीन के कमिश्निंग का कार्य।	
अनुमानित मूल्य (रु.): 19770618.19	**बयाना राशि (रु.)**: 248900.00
निविदा प्रपत्र की लागत (रु.): निल	**कार्य समापन की अवधिः** 24 माह
निविदा खुलने की तिथिः 11.08.2025 को 15:00 बजे तक	

पात्रता मानदंड के लिए समान कार्यः ट्रैक मशीनों में कमिश्निंग से सम्बन्धित कोई भी कार्य या किसी भी प्रकार की ट्रैक मशीनों पर विद्युत/इलेक्ट्रॉनिक कार्य से संबंधित कोई कार्य।

नोट- 1. उपर्युक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र सहित वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर क्रमशः समय **15:00** बजे तक निविदा खुलने की तिथि तक उपलब्ध रहेगा। 2. उपर्युक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिये कि वे अपने आपको **I.T. Act-2000** के अन्तर्गत **C.C.A** द्वारा जारी डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ **IREPS** की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय प्रभार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर, यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधी तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। 4. माल एवं/अथवा सेवाओं के सप्लायर/ठेकेदार समय-समय पर निर्धारित जी.एस.टी. एक्ट तथा नियमों के अन्तर्गत होंगे। 5. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र निविदाकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित होने चाहिये। 6. निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाइट **www.ncr.indianrailways.gov.in** पर भी अपलोड कर दिया गया है। 7. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं बयाने की राशि केवल नेट बैंकिंग अथवा गेटवे भुगतान अथवा GCC में निर्धारित नियम के अनुसार ही स्वीकार की जायेगी। 8. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये **IREPS** की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 9. ऑनलाइन निविदा दिनांक **11.08.2025** को **15:00** बजे तक प्रस्तुत की जा सकती है।

1260/25 (ADM)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @ CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

शुद्धि पत्र सं. 1 दिनांक 16.07.2025

निविदा नोटिस सं. ET-51/Elect./CHG-PRYJ/2025-26, दिनांक 15.07.2025 के सम्बन्ध में।

निविदा सं0 : ETCHG-51 (खुली निविदा) | बन्द होने का दिनांक एवं समय : 06.08.2025 15:00

कार्य का नाम : प्रयागराज मण्डल में विभिन्न ट्रेनों में एल.एच.बी. वातानुकूलित कोचों में लगे विभिन्न प्रकार के आर.एम.पी.यू. यूनिट एवं उससे सम्बद्ध उपकरणों का संचालन, एस्कार्टिंग एवं रखरखाव का तीन वर्ष के लिये वार्षिक अनुरक्षण अनुबन्ध ।

New Items Added Item Breakup Schedule A-Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches with a provision of staff (ACCI/ACCEA) for up and down trip from source to destination and back to source station. (The unit rates mentioned here is based on latest minimum labour wages including all charges and taxes. Hence, if the bidder quote his/her/their offer rates below, his/her/their offer shall be considered unworkable and offer will be summarily rejected)

Item-I Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches with a provision of staff (ACCI/ACCEA) for up and down trip from source to destination and back.

S. No.	Item No.	Description	Rate	Qty	Amount
1	1	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of PRYJ Depot with a provision of Skilled staff (ACCI) for up and down trip from source to destination and back to source station.	131.72	23402.00	3082511.44
2	2	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of Kanpur Depot with a provision of Skilled staff (ACCI) for up and down trip from source to destination and back to source station.	144.70	14977.00	2167171.90
3	3	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of PRYJ Depot with a provision of Semi-Skilled staff (ACCEA) for up and down trip from source to destination and back to source station.	115.74	890302.00	103043553.48
4	4	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of Kanpur Depot with a provision of Semi-Skilled staff (ACCEA) for up and down trip from source to destination and back to source station.	131.72	155172.00	20439255.84

Item Deleted Item Breakup

S. No.	Code	Description
1	Schedule-I Item - 1	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of PRYJ Depot with a provision of Skilled staff (ACCI) for up and down trip from source to destination and back to source station.
2	Schedule-I Item - 2	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of Kanpur Depot with a provision of Skilled staff (ACCI) for up and down trip from source to destination and back to source station.
3	Schedule-I Item - 3	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of PRYJ Depot with a provision of Semi-Skilled staff (ACCEA) for up and down trip from source to destination and back to source station.
4	Schedule-I Item - 4	Escorting, operation and troubleshooting of AC coaches of Kanpur Depot with a provision of Semi-Skilled staff (ACCEA) for up and down trip from source to destination and back to source station.

1249/25 (C)

@ CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विशेष रेलगाड़ियों (साप्ताहिक) के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है। यह रेलगाड़ियां अपने पूर्व निर्धारित मार्ग, संरचना एवं **समय (कुछ संशोधन के साथ)** निम्नलिखित समय-सारणी के अनुसार चलेगीः-

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	पूर्व सूचित तिथि	संचालन का दिन	विस्तारित तिथि
*09025	वलसाड	दानापुर	28.07.25	सोम.	04.08.25 से 29.09.25
*09026	दानापुर	वलसाड	29.07.25	मंगल.	05.08.25 से 30.09.25
*09031	उदाना	जयनगर	27.07.25	रवि.	03.08.25 से 28.09.25
*09032	जयनगर	उधना	28.07.25	सोम.	04.08.25 से 29.09.25
*09343	डॉ.आंबेडकर नगर	पटना	31.07.25	गुरु.	07.08.25 से 25.09.25
*09344	पटना	डॉ.आंबेडकर नगर	01.08.25	शुक्र.	08.08.25 से 26.09.25
*09195	वडोदरा	मऊ	28.07.25	सोम.	04.08.25 से 29.09.25
*09196	मऊ	वडोदरा	29.07.25	मंगल.	05.08.25 से 30.09.25
*09043	बांद्रा ट.	बढ़नी	27.07.25	रवि.	03.08.25 से 28.09.25
*09044	बढ़नी	बांद्रा ट.	28.07.25	सोम.	04.08.25 से 29.09.25

*** निम्नलिखित रेलगाड़ियों का अपने प्रारिम्भक स्टेशन से संशोधित समय निम्नानुसार होगाः-**

***गाड़ी संख्या 09025 वलसाड-दानापुर का संशोधित समय -दिनांक 04.08.25 से प्रभावी :-**

गाड़ी सं. 09025 वलसाड-दानापुर		स्टेशन	गाड़ी सं.09026 दानापुर-वलसाड	
वर्तमान समय	संशोधित समय		वर्तमान समय	संशोधित समय
04:00/04:02	03:30/03:32	मानिकपुर	कोई परिवर्तन नहीं	
05:25/05:35	04:50/05:00	प्रयागराज छिवकी		

***गाड़ी संख्या 09031 उधना-जयनगर का संशोधित समय -दिनांक 03.08.25 से प्रभावीः-**

गाड़ी सं.09031 उधना-जयनगर		स्टेशन	गाड़ी सं.09032 जयनगर-उधना	
वर्तमान समय	संशोधित समय		वर्तमान समय	संशोधित समय
05:18/05:20	04:58/05:00	मानिकपुर	कोई परिवर्तन नहीं	
07:05/07:10	06:25/06:35	प्रयागराज छिवकी		

*** गाड़ी संख्या 09343 डॉ. आंबेडकर नगर-पटना -दिनांक 07.08.25 से एवं गाड़ी संख्या 09344 पटना-डॉ. आंबेडकर नगर -दिनांक 08.08.25 से समय में संशोधन प्रभावी :-**

गाड़ी सं.09343 डॉ. आंबेडकर नगर-पटना		स्टेशन	गाड़ी सं.09344 पटना- डॉ. आंबेडकर नगर	
वर्तमान समय	संशोधित समय		वर्तमान समय	संशोधित समय
03:09/09:05	09:08/09:10	मानिकपुर	05:25/05:30	कोई परिवर्तन नहीं
10:50/10:55	11:10/11:15	प्रयागराज छिवकी	03:05/03:10	03:40/03:45
12:00/12:02	12:30/12:32	मिर्ज़ापुर	02:00/02:02	01:20/01:22

*** गाड़ी संख्या 09195 वडोदरा-मऊ -दिनांक 04.08.25 से एवं गाड़ी संख्या 09196 मऊ-वडोदरा- दिनांक 05.08.25 से समय में संशोधन प्रभावीः**

गाड़ी सं.09195 वडोदरा-मऊ		स्टेशन	गाड़ी सं.09196 मऊ-वडोदरा	
वर्तमान समय	संशोधित समय		वर्तमान समय	संशोधित समय
06:40/06:50	06:57/07:02	ईदगाह	कोई परिवर्तन नहीं	
08:05/08:10	08:20/08:22	टूण्डला		
15:25/15:30	15:45/15:50	प्रयागराज जं.		

*** गाड़ी संख्या 09043 बांद्रा ट. - बढ़नी -दिनांक 03.08.25 से एवं गाड़ी संख्या 09044 बढ़नी -बांद्रा ट. - दिनांक 04.08.25 से समय में संशोधन प्रभावीः-**

गाड़ी सं.09043 बांद्रा ट.-बढ़नी		स्टेशन	गाड़ी सं.09044 बढ़नी-बांद्रा ट.	
वर्तमान समय	संशोधित समय		वर्तमान समय	संशोधित समय
21:00/21:10	कोई परिवर्तन नहीं	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	02:00/02:10	00:45/00:55
-------	22:25/22:30	उरई	------	22:25/22:30
01:05/01:15	01:25/01:35	कानपुर सेन्ट्रल	21:30/21:40	20:40/20:50

नोट– ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@ CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1270/25(DG)

भारत संवाद परिवार 1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित। संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा। फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939 (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सेहत और सौन्दर्य का रक्षक भुट्टा

भुट्टा जिसे कॉर्न या मकई सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है. कई खतरनाक रोगों से रक्षा तो करता ही है सौन्दर्य को भी बरकरार रखता है. भुट्टा जिसे कॉर्न और मकई भी कहा जाता है, का प्रयोग तरह-तरह के व्यंजन बनाने में किया जाता है. यह ऐसा अनाज है जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है. मकई का आटा कोलोन कैंसर के खतरे को कम करता है.

दुरुस्त करता पाचन

कॉर्न में फाइबर यानी भरपूर रेशे होते हैं. ये रेशे भोजन को पचाने के लिए जरूरी हैं. यह कब्ज और पेट में होने वाले कैंसर की आशंका को कम करता है.

प्रचुर मात्रा में खनिज

कॉर्न के दानों में भरपूर मिनरल्स पाये जाते हैं. इसमें आयरन, मैग्नीशियम और कॉपर के अलावा फॉस्फोरस भी पाया जाता है. ये तत्व हड्डियों के लिए जरूरी है. इन तत्वों से हड्डियां मजबूत होती हैं. इसका सेवन किडनी को भी मजबूत करता है.

त्वचा को बनाता है चमकदार

कॉर्न लंबे समय तक त्वचा को कांतिमय रखने में मददगार होता है. एंटीऑक्सीडेंट्स की प्रचुरता के अलावा इसके तेल में लिनोलिक एसिड होता है.

एनीमिया से करता है बचाव

मक्के में आयरन होता है. आयरन की कमी से एनीमिया हो जाता है और इसके कारण लाल रक्त कणों की संख्या घट जाती है. मक्के में विटामिन-बी और फोलिक एसिड मौजूद होते हैं जो एनीमिया होने से बचाव करते हैं.

कंट्रोल करता है कोलेस्ट्रॉल

कोलेस्ट्रॉल ऐसा पदार्थ है, जो बढ़ने पर नुकसाद पहुंचाता है. कोलेस्ट्रॉल दो प्रकार के होते हैं गुड कोलेस्ट्रॉल (एचडीएल) और बैड कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल).
कोलेस्ट्रॉल में फैटी फूड आते हैं जो हमारे दिल को कमजोर बनाते हैं. स्वीट कॉर्न में विटामिन-सी होते हैं जो हमारे दिल को स्वस्थ रखते और कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करते हैं. कॉर्न में प्रचुर मात्रा में फाइटोकेमिकल्स होते हैं जो कैंसर होने के कारणों को रोकते हैं. कॉर्न में विटामिन-बी भी होता है जो तंत्रिका तंत्र को स्वस्थ रखने में मददगार हैं. कॉर्न उन डायबिटीज पीड़ितों के लिए जरूरी है, जो इंसुलिन नहीं लेते. कॉर्न उनके डायबिटीज को कंट्रोल करते हैं. मकई में मौजूद कैरोटेनोइड आंखों की ज्योति बढ़ाने के साथ ही विटामिन ए भी उपलब्ध कराता है. मकई के दानों यानी भुट्टों को पकाकर भी खाया जाता है. इससे जहां दांतों की बेहतर एक्सरसाइज होती है, वहीं यह पेट को ठीक करता है.

सौंदर्य का साथी

कई तरह के कॉस्मेटिक्स प्रोडक्ट्स बनाने में कॉर्न स्टार्च का प्रयोग किया जाता है. साथ ही, इसका प्रयोग त्वचा की जलन और रैशेस को कम करने के लिए भी किया जाता है. कैंसरकारी पेट्रोलियम उत्पाद जो कि कई तरह के कॉस्मेटिक्स को बनाने के लिए प्रयोग किया जाता रहा है अब इनके स्थान पर कॉर्न के उत्पाद का प्रयोग किया जाने लगा है.

सावधान कैल्शियम की कमी खतरनाक

हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. इसकी कमी ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बन जाता है. सभी जानते हैं कि मजबूत हड्डियों और दांतों के लिए कैल्शियम जरूरी है. कैल्शियम कोलोन (मलाशय) से विषैली चीजों को बाहर निकालने में मदद करने के साथ ही यह हमारी तंत्रिका तंत्र के लिए भी जरूरी है. अगर किसी कारण में शरीर में कैल्शियम की कमी हो जाती है तो यह ऑस्टियोपोरोसिस का कारण बनता है. एक नये अध्ययन के अनुसार, इस आवश्यक मिनरल की कम मात्रा लेने से आपको हाइपर पैराथायराइडिज्म (पीएचपीटी) जो एक तरह की हार्मोनल कंडीशन है, हो सकती है. अगर समय रहते इसका इलाज न किया गया तो आपकी हड्डियों का कैल्शियम सूख सकता है. हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के इस अध्ययन में पाया गया कि जो महिलाएं फल और सप्लीमेंट्स के जरिये ज्यादा कैल्शियम ग्रहण करती हैं उनमें पीएचपीटी, जो पैराथायराइड हार्मोन के अनियंत्रित रिसाव का कारण होता है, होने का खतरा कम हो जाता है. आप अपने भोजन और दूसरी सामग्री में कैल्शियम की मात्रा को थोड़ी सावधानी से बढ़ा सकते हैं

सॉफ्ट ड्रिंक कम - अत्यधिक मात्रा में फास्फोरस के कारण सॉफ्ट ड्रिंक्स शरीर के कैल्शियम ग्रहण करने की क्षमता में बाधा डालता है. साथ ही, पिज्जा, चिप्स या दूसरे सॉल्टी फूड्स के साथ सॉफ्ट ड्रिंक के सेवन से भी कैल्शियम अवशोषण में बाधा पहुंचती है क्योंकि इससे बढ़ा हुआ कैल्शियम यूरिन के जरिये नष्ट हो जाता है. साग-सब्जी का सेवन ब्रोकली, सलाद पत्ता, पत्ता गोभी और दूसरी पत्ते दार सब्जियां कैल्शियम का अच्छा स्रोत हैं लेकिन समस्या यह है कि हरी सब्जियों में पाया जाने वाला कैल्शियम डायट्री उत्पाद की तुलना में शरीर में आसानी से अवशोषित नहीं हो पाता क्योंकि इनमें केमिकल लगा होता है. हालांकि यह कोई बड़ा मुद्दा नहीं है कि आप अपनी डाइट में ज्यादा कैल्शियम नॉन डेयरी प्रोडक्ट्स से पाते हैं. इसके लिए आप कैल्शियम से भरपूर कॉम्बीनेशन जैसे पालक या सलाद पत्ता को तिल या बीन्स (जो कैल्शियम का बेहतर स्रोत है) और चीज के साथ ले सकते हैं. विटामिन-डी भी जरूरी हड्डियों की सेहत के लिए विटामिन-डी बेहद जरूरी है और इसका कैल्शियम के साथ सह-क्रियाशीलता का संबंध है.

धूप- विशेषज्ञों के अनुसार, सर्दियों के दौरान विटामिन-डी की कमी के कारण हम 2 से 4 प्रतिशत बोन डेन्सिटी खो देते हैं. इस बात का विरोध करते हुए कई एक्सपर्ट्स अब इस बात की सलाह देते हैं कि दिनभर में 15 मिनट धूप में बिताने से हमारे शरीर को विटामिन-डी को प्राकृतिक रूप से बनाने में मदद मिलती है.

कॉफी कम - कॉफी का अत्यधिक सेवन करने से कैल्शियम उत्सर्जन की दर बढ़ने के कारण हड्डियां कमजोर हो सकती हैं. इसलिए इस खतरे से बचने के लिए दिनभर में केवल दो कप कॉफी पियें. उच्च प्रोटीन से सावधान- जिनकी डाइट में एनीमल प्रोटीन ज्यादा होता है, वास्तव में उनकी हड्डियों से कैल्शियम का क्षरण होने लगता है. ऐसा इसलिए है, क्योंकि प्रोटीन ऐसे तत्वों को तोड़ता है जो एसिडिक होते हैं और हमारे शरीर में मौजूद कैल्शियम उन्हें जमा करता जाता है. अगर आप अत्यधिक रेड मीट और अंडे का सेवन करते हैं तो आपको ज्यादा मात्रा में कैल्शियम लेने की जरूरत है.

मधुमेह से बचना है तो जी भर कर सोएं

अगर आप भरपूर नींद लेते हैं तो आप में टाइप-2 मधुमेह होने का जोखिम काफी कम हो जाता है. यह एक नये अध्ययन में दावा किया गया है. लास ऐंजिलिस बायोमेडिकल रिसर्च इस्टीट्यूट के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सप्ताहांत में तीन रात की अच्छी नींद काफी हद तक इंसुलिन की सक्रियता बढा देती जिसके न बनने और शरीर पर उसकी प्रतिक्रिया नहीं होने से यह बीमारी होती. प्रमुख अनुसंधानकर्ता डा. पीटर लिउ ने बताया कि हम सभी जानते हैं कि पर्याप्त नींद जरूरी है लेकिन अधिक काम की वजह से समय नहीं निकाल पाते. हमारे अध्ययन में पाया गया कि नींद के घंटे बढा देने से शरीर के इंसुलिन का इस्तेमाल करने की क्षमता बढती है और प्रौढ व्यक्तियों में टाइप-2 मधुमेह का जोखिम कम हो जाता है. इंसुलिन किसी व्यक्ति के रक्त में शर्करा के स्तर को नियमित करने के लिये जिम्मेदार है. टाइप-2 मधुमेह के मरीज का शरीर उससे निकलने वाले इंसुलिन का कारगर ढंग से इस्तेमाल नहीं करता और इंसुलिन के प्रति प्रतिक्रिया नहीं करता. लिउ ने कहा कि अच्छी खबर है कि प्रौढ व्यक्ति जो अधिक काम की वजह से पर्याप्त नहीं सो पाते हैं वे अगर सोने के घंटे बढा दें तो यह जोखिम कम हो सकता है.

थायराइड से सबसे ज्यादा पीड़ित महिलाएं

थायराइड की बीमारी तेजी से बढ़ रही है. आंकड़ों की बात करें तो सवा चार करोड़ लोग देश में थायराइड की बीमारी से पीड़ित हैं. इनमें 80 प्रतिशत महिलाएं हैं. आश्चर्य की बात है कि 8-10 प्रतिशत मरीजों की पहचान हो सकी है. थायराइड बीमारी तीन प्रकार की होती है. थायराइड ग्रंथि से हार्मोन बनना बंद या कम हो जाय तो इसे हाइपोथायराइडिज्म कहते हैं जबकि थायराइड हार्मोन की मात्रा अधिक बनने लगती है तो उसे हाइपरथायराइडिज्म कहते हैं. जबकि तीसरी बीमारी घेंघा है. हाइपोथायराइडिज्म के मरीजों की संख्या सबसे अधिक होती है.

क्या है थायराइड?

थायराइड एक इंडोक्राइन ग्रंथि होती है जो गर्दन के निचले हिस्से में एडमस एप्पल के ठीक नीचे होती है. इसका काम थायरोक्सिन हार्मोन बनाकर खून तक पहुंचाना है जिससे शरीर का मेटाबोलिज्म नियंत्रित रहे. शरीर में थायराइड हार्मोन की मात्रा कम हो जाय तो सुस्ती औरअधिक होने पर शारीरिक क्रियाएं तेज हो जाती हैं. थायराइड ग्रंथि का पिटयूटरी ग्रंथि से नियंत्रण होता है जबकि पिटयूटरी ग्रंथि हाइपोथेलमस से नियंत्रित होती है. हाइपोथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर बढ़ जाता है और टी3 व टी4 की मात्रा कम हो जाती है. हाइपरथायराइडिज्म में टीएसएच का स्तर घट और टी3 व टी4 की मात्रा बढ़ जाती है.

हाइपोथायराइडिज्म

लक्षण - हमेशा थकान महसूस होना. बिना कारण वजन बढ़ना.

डिप्रेशन या अवसाद होना. हमेशा ठंड लगना. पेट में कब्ज बना रहना. अजीब तरह का दर्द महसूस होना. मासिक स्राव का अधिक होना. एकाग्रता की कमी होना. त्वचा और बाल रुखे हो जाना.
कारण - आयोडिन की कमी (एंडेमिक गोवाएटर) हशीमो टो थायरोडायटिस. सर्जरी या रेडियो आयोडिन थैरेपी के बाद. कुछ प्रकार की दवाइयों का सेवन.

हाइपरथायराइडिज्म

लक्षण - घबराहट या चिड़चिड़ा महसूस करना. अनियमित हृदय का धड़कना. गर्मी सहन न होना. हाथ में कंपन होना. अधिक पसीना आना. बिना कारण वजन कम होना. नींद न आना. थायराइड ग्रंथि का बढ़ना (घेंघा). मासिक स्राव का कम होना. प्रजनन शक्ति क्षीण होना.
कारण - ग्रेव डिजीज. टॉक्सिक मल्टी नोडल गोवाएटर. टॉक्सिक एडिनोमा. अधिक मात्रा में हार्मोन की गोली का सेवन.
इलाज - थायराइड की बीमारियों का इलाज बीमारी के प्रकार पर निर्भर करता है. हाइपोथायराइडिज्म में मरीज का इलाज सप्लीमेंट्री थैरेपी से किया जाता है. इसमें थायराइड के हार्मोन (थायरोक्सिन हार्मोन) बाहर से दिया जाता है. हाइपरथायराइडिज्म का इलाज तीन विधि से किया जाता है. पहली विधि में एंटी थायराइड ड्रग्स दी जाती है. दूसरी विधि में रेडियो एक्टिव आयोडिन से ग्रंथि को नियंत्रित किया जाता है जिसे रेडियो आयोडिन थैरेपी कहते हैं. तीसरी विधि में सर्जरी करके इलाज किया जाता है. वहीं घेंघा का एक मात्र इलाज ऑपरेशन होता है. बचाव थायराइड की बीमारी से बचाव के लिए अभी तक डॉक्टर आयोडिन युक्त नमक के सेवन की सलाह देते हैं जिससे शरीर में आयोडिन की मात्रा संतुलित रहे, थायराइड की बीमारियां न हो.

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने से होता है घेंघा

थायराइड ग्रंथि का आकार बढ़ने को ही घेंघा कहते हैं. इसमें थायराइड ग्रंथि बढ़कर गले के सामने की ओर गांठ के रूप में दिखाई देने लगती है. इसमें दर्द नहीं होता है. घेंघा के बढ़ने से सांस की नली, खाने की नली और आवाज की नस पर दबाव पड़ता है. घेंघा छाती के अंदर भी जा सकता है. घेंघा के बारे में लोगों की सोच होती है कि इससे शरीर पर कोई नुकसान नहीं होता है लेकिन कई बार देखा गया है घेंघा कैंसर में बदल जाता है. मरीज की जान पर बन आती है. थायराइड ग्रंथि में कई प्रकार के कैंसर होते हैं. इनमें पेपीलेरी थायराइड कैंसर, फोलीक्यू लर थायराइड कैंसर, मे डयूले री थायराइड कैंसर और अनॉप्लास्टिक थायराइड कैंसर शामिल है.

घेंघा में थायराइड कैंसर के लक्षण

अचानक कम उम्र में घेंघा का होना. पुराना घेंघा का अचानक से बढ़ना. घेंघा के साथ खाना निगलने में परेशानी होना. घेंघा होने पर सूखी खांसी के साथ खून आना. घेंघा के साथ गले के बगल में गांठ का बनना. घेंघा के साथ आवाज में परिवर्तन या भारी पड़ना.

7 महीने में ईरान ने 14 लाख अफगानी जबरन निकाले

मारा-पीटा, पैसे छीने, नाबालिगों को बिना मां-बाप सीमा पार भेजा, जासूसी-आतंकी हमले के आरोप लगाए

एजेंसी

तेहरान / काबुल, ईरान में जनवरी से अब तक 14 लाख से ज्यादा अफगानों को जबरन निकाल दिया गया है। संयुक्त राष्ट्र (वठ) की शरणार्थी एजेंसी के मुताबिक ईरान और अफगानिस्तान की सीमा पर हर दिन करीब 20 हजार अफगान शरणार्थी जबरन वापस भेजे जा रहे हैं। ये सिलसिला पिछले महीने ईरान-इजराइल के बीच 12 दिन के युद्ध के बाद तेजी से बढ़ा। ईरान ने 24 जून से 9 जुलाई के बीच, यानी महज 16 दिनों में 5 लाख से ज्यादा अफगान नागरिकों को देश से बाहर कर दिया। ईरान ने मार्च 2025 में ऐलान किया था कि अवैध रूप से रह रहे अफगान प्रवासी 6 जुलाई तक देश छोड़ दें, नहीं तो उन्हें जबरन निकला जाएगा। ईरानी अधिकारियों ने दावा किया कि अफगानी इजराइल और अमेरिका के लिए जासूसी, आतंकी हमले और ड्रोन बनाने में शामिल हैं। कई अफगानों ने मीडिया को बताया की उनके साथ मार-पीट की गई और पैसे भी छीन लिए गए। वहीं, कई नाबालिग बच्चों को बिना बड़ों के ही अफगानिस्तान भेज दिया

गया। न्यूयॉर्क टाइम्स को लोगों ने बताया कि उनके पास न तो पर्याप्त सामान है और न ही भविष्य की कोई उम्मीद। 42 साल तक ईरान में मजदूरी करने वाले मोहम्मद अखुंदजादा ने कहा, ₹मैंने 42 साल तक ईरान में मेहनत की, मेरे घुटने टूट गए और अब मुझे क्या मिला?₹ ईरान से निर्वासित हुए एक अफगान शरणार्थी बशीर ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अधिकारियों ने उससे 17 हजार रुपए मांगे। फिर दो दिन डिटेंशन सेंटर में रखा। इस दौरान न खाना दिया गया और न ही पानी। बशीर के मुताबिक अधिकारी उसे गालियां देते थे। एक दूसरे युवक ने बताया कि उसके पिता को जासूसी के आरोप में पकड़कर कैद कर दिया गया। उन्हें खाना-पानी नहीं दिया गया और बाद में डिटेन करके अफगानिस्तान भेज दिया। द गार्जियन से बात करते हुए एक अफगान महिला ने बताया कि, ईरानी अधिकारी रात में आए। उन्होंने बच्चों के कपड़े तक नहीं लेने दिए। हमें कूड़े की तरह फेंक दिया। रास्ते में बैंक कार्ड से पैसे निकाल लिए। पानी की बोतल के 80 रुपए और सैंडविच के 170 रूपए वसूले। इजराइल के साथ युद्ध के बाद ईरान में अफगानों के खिलाफ नस्लीय हमले बढ़ गए हैं। कई अफगानों ने बताया कि उन्हें गालियां दी गईं, चाकू से हमले हुए और उनकी मजदूरी तक छीन ली गई। बैंकों, स्कूलों, अस्पतालों और दुकानों ने भी अफगानों को सेवा देने से मना कर दिया है। एब्राहिम कादेरी ने मीडिया को बताया कि वो तेहरान में एक कार्डबोर्ड फैक्ट्री में काम करते थे, वहां कुछ लोगों ने उन्हें गंदा अफगान कहकर पीटा और चाकू से घायल कर दिया। उनकी मां गुल दास्ता फजिली ने कहा कि चार अस्पतालों ने उनके बेटे का इलाज करने से इनकार कर दिया, क्योंकि वह अफगान था। 35 साल की फराह, जो तेहरान में कंप्यूटर इंजीनियर हैं, ने बताया कि पड़ोस के युवकों ने उन पर और उनके 4 साल के बेटे पर हमला किया। ईरान से निकाले गए लोगों में सैकड़ों नाबालिग बच्चे हैं, जिनमें कई अनाथ और अकेले हैं। यूएन के अनुसार, हर हफ्ते सैकड़ों बच्चों को बिना अभिभावकों के सीमा पर पाया जा रहा है। अफगानिस्तान के पश्चिमी सीमा पर इस्लाम कला नामक शहर में एक भीड़भाड़ वाला प्रोसेसिंग सेंटर है, जहां निकाले गए लोगों को रखा जा रहा है। इन शरणार्थियों की वापसी से अफगानिस्तान की पहले से खराब अर्थव्यवस्था और बिगड़ रही है। ईरान में रहने वाले अफगान अपने परिवारों को पैसा भेजते थे, जो अब बंद हो गया है। अफगानिस्तान की 4.1 करोड़ आबादी में से आधी से ज्यादा पहले ही मानवीय सहायता पर निर्भर है।

किम-जोंग का ड्रीम रिसॉर्ट रूसी पत्रकार की रिपोर्ट से बंद

11 साल में बनकर तैयार हुआ था; 25 दिन पहले ही खोला गया

एजेंसी

प्योंगयांग, उत्तर कोरिया ने अपने मशहूर वॉनसन-काल्मा बीच रिसॉर्ट को विदेशी पर्यटकों के लिए अचानक बंद कर दिया है। उत्तर कोरिया सरकार इस रिसॉर्ट के जरिए विदेशी टूरिस्ट्स को लुभाकर अपने फॉरेन करेंसी रिजर्व को बढ़ाना चाहती थी। यह रिसॉर्ट को नार्थ कोरिया के सुप्रीम लीडर किम जोंग उन का ड्रीम प्रोजेक्ट था। अब इसके अचानक बंद होने से कई सवाल खड़े हो गए हैं। वॉनसन-काल्मा बीच रिसॉर्ट उत्तर कोरिया के पूर्वी तट पर बसा एक शानदार टूरिस्ट स्पॉट है। इसे 2014 में बनाना शुरू किया गया था। यह उत्तर

कोरिया का 'हवाई' कहा जाता था। इसे 24 जून को लोकल टूरिस्ट्स के लिए खोला गया था। रिसॉर्ट में लग्जरी होटल, समुद्र तट, वाटर पार्क और शॉपिंग सेंटर जैसी सुविधाएं हैं। इस रिसॉर्ट में एक साथ लगभग 20,000 लोग ठहर सकते हैं। उत्तर कोरिया की आधिकारिक टूरिज्म वेबसाइट ऊढफ कोरिया टूर ने बिना कोई ठोस कारण बताए कहा कि रिसॉर्ट अस्थायी रूप से बंद किया गया है, लेकिन कुछ खबरों में दावा किया जा रहा है कि एक रूसी पत्रकार की रिपोर्ट से इसे बंद करना पड़ा है। दरअसल ये पत्रकार रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ रिसॉर्ट गया था और उसने बताया कि वहां मौजूद 'पर्यटक' असल टूरिस्ट्स नहीं हैं, बल्कि इन्हें सरकार ने भेजा था। इस खुलासे के बाद उत्तर कोरिया की साख को नुकसान पहुंचा था। कुछ एक्सपर्ट्स का मानना है कि रिसॉर्ट को चलाने में भारी खर्च आ रहा था।

अगर विदेशी सैलानी नहीं आएंगे, तो रूबल, युआन या डॉलर जैसी विदेशी मुद्रा नहीं मिलेगी। इससे रिसॉर्ट को चलाना मुश्किल हो सकता है। इसके अलावा, हो सकता है कि रिसॉर्ट को पूरी तरह तैयार करने या कुछ और आंतरिक कारणों से ये फैसला लिया गया हो।

वहीं, साउथ कोरिया के कोरिया इंस्टीट्यूट फॉर नेशनल यूनिफिकेशन के एक्सपर्ट ओह ग्योंग-सियोब का कहना है कि उत्तर कोरिया ने विदेशी पर्यटकों को रिसॉर्ट में आने की इजाजत देने से होने वाले नकारात्मक परिणामों के डर से यह फैसला लिया।

गाजा के कैथोलिक चर्च पर इजराइली हमला, 3 की मौत

नेतन्याहू ने अफसोस जताया, कहा- गलती से गोला चर्च पर गिरा

एजेंसी

तेल अवीव / गाजा, इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार को गाजा के एकमात्र होली फैमिली कैथोलिक चर्च में टैंक की गोलीबारी में तीन लोगों की मौत पर अफसोस जताया। दरअसल, गुरुवार को गाजा के फैमिली कैथोलिक चर्च पर इजराइली टैंक से हमला हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और दस अन्य घायल हुए, जिनमें एक पादरी भी शामिल हैं। हमला सुबह लगभग 10:30 बजे (स्थानीय समयानुसार) हुआ। इस चर्च में सैकड़ों विस्थापित लोगों ने शरण ले रखी थी। नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से इसे लेकर फोन पर बातचीत की। नेतन्याहू ने कहा कि यह हमला गलती से हुआ, जिसमें एक गोला चर्च पर जा गिरा। नेतन्याहू ने कहा, ₹हर निर्दोष की जान का जाना भयानक नुकसान है।₹ इजराइली सेना ईडफ ने भी जांच के बाद कहा कि एक गोले का टुकड़ा गलती से चर्च पर गिरा। सेना का दावा है कि उसने नागरिकों और धार्मिक स्थलों को नुकसान से बचाने की पूरी कोशिश की। इजराइली सेना ने कहा कि एक गोले का टुकड़ा गाजा सिटी में सैन्य कार्रवाई के दौरान गलती से चर्च पर गिर गया। इसकी जांच की जा रही है। अमेरिका के व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बताया कि ट्रम्प और नेतन्याहू के बीच इस हमले को लेकर तनावपूर्ण बातचीत हुई। उन्होंने कहा, ₹प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति को बताया कि कैथोलिक चर्च पर हमला करना इजराइलियों की एक भूल थी।₹ इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने गाजा में इजराइल के हालिया हमलों की कड़ी निंदा की है। मेलोनी ने एक्स पर लिखा, ₹इजराइल के गाजा में हमलों ने होली फैमिली चर्च को भी निशाना बनाया। महीनों से नागरिकों पर किए जा रहे ये हमले बर्दाश्त नहीं किए जा सकते। कोई भी सैन्य कार्रवाई इस व्यवहार को सही नहीं ठहरा सकती।₹ मेलोनी ने मई में कहा था कि इजराइल को अपने सैन्य अभियानों में अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करना चाहिए। वहीं, लैटिन पैट्रिआर्केट ऑफ जेरूसलम (कैथोलिक चर्च का एक ग्रुप) ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने बताया कि हमले के समय चर्च में करीब 600 लोग शरण लिए हुए थे। लैटिन पैट्रिआर्केट कार्डिनल पियेरबातिस्ता पिज्जाबाला ने बताया हमले में पादरी फादर गैब्रियल रोमानेली सहित कई लोग घायल हुए। वेटिकन ने इस हमले को सैन्य हमला बताया और पोप लियो की ओर से शोक व्यक्त किया। पोप ने मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के ठीक होने की प्रार्थना की।

होली फैमिली कैथोलिक चर्च, गाजा में स्थित कैथोलिक चर्च अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी दिवंगत पोप फ्रांसिस के साथ निकटता के लिए जाना जाता है। गाजा में चल रहे युद्ध के दौरान, पोप फ्रांसिस इस चर्च के समुदाय के साथ फोन पर संपर्क में रहते थे। वे चर्च के पादरी और वहां शरण ले रहे लोगों से बात करते थे, ताकि उनकी स्थिति का जायजा ले सकें और उनका हौसला बढ़ा सकें।

शिकागो में ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ बड़ा विरोध-प्रदर्शन

हजारों लोग सड़कों पर उतरे, ट्रम्प को तनाशाह बताते हुए मार्च निकाला

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विवादास्पद नीतियों के खिलाफ गुरुवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। अप्रवासियों को डिपोर्ट करने और गरीबों के लिए मेडिकेड सुविधाओं में कटौती के विरोध में 1600 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन आयोजित हुआ। इन प्रदर्शनों को 'गुड ट्रबल लिव्स ऑन' नेशनल डे ऑफ एक्शन नाम दिया गया है, जो दिवंगत सांसद और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जॉन लुइस को समर्पित है।

आयोजकों ने लोगों से प्रदर्शनों को शांतिपूर्ण रखने की अपील की। शिकागो इन विरोध-प्रदर्शन का मुख्य सेंटर था। दोपहर में शहर के डाउनटाउन में प्रदर्शनकारी एकत्र हुए। शिकागो में आयोजित रैली में एक कैंडल मार्च निकाला गया। पब्लिक सिटिजन ग्रुप की को-प्रेसिडेंट लिसा गिल्बर्ट ने मंगलवार को कहा- हम अपने देश के इतिहास के सबसे डरावने दौर से गुजर रहे हैं। हमें सरकार में बढ़ती तानाशाही रवैये और कानून के उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है, जो हमारी लोकतांत्रिक आजादी और अधिकारों को चुनौती दे रहा है। पब्लिक सिटिजन ग्रुप एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन (एनजीओ) है, जो बड़े कॉर्पोरेट घराने के खिलाफ काम करता है। ये प्रदर्शन खास तौर पर अटलांटा, सेंट लुइस, ओकलैंड (कैलिफोर्निया) और एनापोलिस (मैरीलैंड) में होने की प्लानिंग है। जॉन लुइस का 2020 में 80 साल की उम्र में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। वे ह्यूमन राइट आंदोलन के ₹बिग सिक्स₹ नेताओं में से एक थे, जिसकी लीडरशिप मार्टिन लूथर किंग जूनियर कर रहे थे। लुइस ने 1965 में 'ब्लडी संडे' मार्च निकाला था, जिसमें वोटिंग अधिकारों के लिए 600 लोग अलबामा के एडमंड पेट्टस ब्रिज पर मार्च कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान लुइस की खोपड़ी टूट गई थी। इस घटना ने वोटिंग राइट्स एक्ट 1965 को पारित करने में अहम भूमिका निभाई थी। ट्रम्प सरकार ने लॉस एंजिलिस में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था।

पूर्व सीएम भूपेश के घर-रेड, बेटे चैतन्य बघेल को शराब घोटाले में ईडी ने किया गिरफ्तार

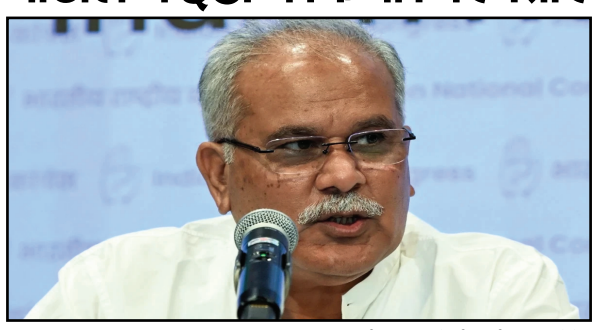

एजेंसी

करोड़ों रुपये के कथित छत्तीसगढ़ शराब घोटाले की चल रही जाँच में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी उनके भिलाई-3 स्थित आवास पर तड़के हुई छापेमारी के तुरंत बाद हुई, जिससे राज्य के शराब व्यापार से जुड़ी ईडी की धन शोधन जाँच में एक बड़ी प्रगति हुई है। चैतन्य के जन्मदिन के अवसर पर हुई यह गिरफ्तारी एजेंसी को मिले नए सुरागों के बाद हुई है। एजेंसी 2019 से 2022 के बीच कांग्रेस के नेतृत्व वाले शासन के दौरान शराब की बिक्री और वितरण में हेराफेरी के माध्यम से जनता के पैसे की हेराफेरी में कथित रूप से शामिल सरकारी अधिकारियों, व्यापारियों और राजनीतिक हस्तियों के एक बड़े नेटवर्क की जाँच कर रही है। सुबह-सुबह छापा और पिछली कार्रवाईसुबह करीब 6:00 बजे, सीआरपीएफ जवानों के साथ ईडी के अधिकारी तीन वाहनों में सवार होकर बघेल के आवास पर तलाशी लेने पहुँचे। यह छापा उस व्यापक जाँच का हिस्सा है जिसके तहत एजेंसी मार्च 2025 में दुर्ग जिले में 14 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है, जिनमें बघेल और शराब कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल (उर्फ पप्पू बंसल) से जुड़ी संपत्तियाँ भी शामिल हैं। उस कार्रवाई में नकदी जब्त की गई थी और नोट गिनने वाली मशीनों का इस्तेमाल किया गया था, जो बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा करता है।

सुबह करीब 6:00 बजे, सीआरपीएफ जवानों के साथ ईडी के अधिकारी तीन वाहनों में सवार होकर बघेल के आवास पर तलाशी लेने पहुँचे। यह छापा उस व्यापक जाँच का हिस्सा है जिसके तहत एजेंसी मार्च 2025 में दुर्ग जिले में 14 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है, जिनमें बघेल और शराब कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल (उर्फ पप्पू बंसल) से जुड़ी संपत्तियाँ भी शामिल हैं। उस कार्रवाई में नकदी जब्त की गई थी और नोट गिनने वाली मशीनों का इस्तेमाल किया गया था, जो बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा करता है।

जिसके तहत एजेंसी मार्च 2025 में दुर्ग जिले में 14 ठिकानों पर छापेमारी कर चुकी है, जिनमें बघेल और शराब कारोबारी लक्ष्मी नारायण बंसल (उर्फ पप्पू बंसल) से जुड़ी संपत्तियाँ भी शामिल हैं। उस कार्रवाई में नकदी जब्त की गई थी और नोट गिनने वाली मशीनों का इस्तेमाल किया गया था, जो बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं की ओर इशारा करता है।

शराब घोटाले से 2,161 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान

ईडी के अनुसार, इस घोटाले से राज्य के खजाने को 2,161 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान हुआ। कथित अवैध सिंडिकेट छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के माध्यम से संचालित होता था, शराब बनाने वालों से रिश्वत लेता था।

राजनाथ सिंह के आवास पर बीजेपी नेताओं की बड़ी बैठक

सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने आगामी संसद सत्र से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

अमित शाह भी रहे मौजूद

एजेंसी

संसद के मानसून सत्र से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की एक रणनीतिक बैठक हुई। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, किरेन रिजिजू, मनोहर लाल खट्टर, एल. मुरुगन, अर्जुन राम मेघवाल और सीआर पाटिल शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि पार्टी नेतृत्व ने आगामी संसद सत्र से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सोमवार से शुरू होने वाले संसद के मानसून सत्र से पहले संसद के दोनों सदनों में राजनीतिक दलों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

यह बैठक संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में आयोजित की जाएगी। बैठक के बाद मीडिया ब्रीफिंग होगी। आधिकारिक सूचना के अनुसार, बैठक सुबह 11:00 बजे शुरू होगी। सरकार ने पहले संसद के मानसून सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की थी, जो संभवतः 21 अगस्त तक समाप्त होगा। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने पहले बताया था कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक आयोजित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आधिकारिक संसदीय बुलेटिन के अनुसार, सदन 12 अगस्त को स्थगित होकर 18 अगस्त को फिर से बैठक करेगा। केंद्र सरकार मानसून सत्र में मणिपुर वस्तु एवं सेवा कर (संशोधन) विधेयक 2025 और कराधान विधि (संशोधन) विधेयक 2025 सहित कई विधेयकों को पेश और पारित करने पर विचार कर सकती है। लोकसभा सचिवालय के अनुसार, सरकार जन विश्वास (प्रावधानों में संशोधन) विधेयक 2025, भारतीय प्रबंधन संस्थान (संशोधन) विधेयक 2025, भू-विरासत स्थल और भू-अवशेष (संरक्षण और रखरखाव) विधेयक 2025, खान और खान (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक 2025, राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक 2025 को भी लोकसभा में पेश करने और पारित करने के लिए उठाएगी।

दर्द से कराहते दिखे प्रशांत किशोर, आरा में रैली के दौरान को लगी चोट, इलाज के लिए पटना रवाना

किशोर ने पार्टी में उनका स्वागत करते हुए कहा, हमने जानबूझकर वह दिन चुना है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार आ रहे हैं और वह अपनी बड़ी-बड़ी बातों से लोगों को लुभाने की कोशिश करेंगे।

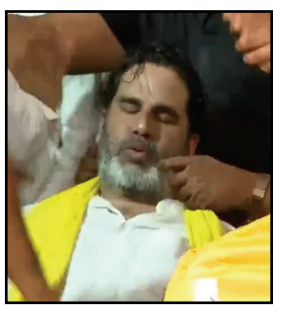

एजेंसी

जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर आज आरा में अपने रोड शो के दौरान पसलियों में चोट खा बैठे। चोट लगने के बाद उन्हें पार्टी के मंच पर लाया गया। उनकी पार्टी के नेताओं का कहना है कि रोड शो के दौरान लोगों से मिलने के लिए वह अपनी कार से बाहर झुक रहे थे और इसी दौरान उन्हें चोट लग गई। फिलहाल उन्हें इलाज के लिए पटना लाया गया है। इससे पहले भोजपुरी गायक रितेश पांडे और हिमाचल प्रदेश कैडर के पूर्व आईपीएस अधिकारी जयप्रकाश सिंह शुक्रवार को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हो गए। किशोर ने पार्टी में उनका स्वागत करते हुए कहा, हमने जानबूझकर वह दिन चुना है जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिहार आ रहे हैं और वह अपनी बड़ी-बड़ी बातों से लोगों को लुभाने की कोशिश करेंगे।

पीएम मोदी के बिना 150 सीटें भी नहीं जीत पाते : निशिकांत दुबे

निशिकांत दुबे ने कहा कि अगले 15-20 सालों तक मुझे सिर्फ. पीएम मोदी ही नजर आते हैं। और ऐसा सिर्फ इसलिए नहीं है कि वो प्रधानमंत्री हैं। पीएम मोदी के आने पर वो वोट बैंक, जो कभी बीजेपी का वोट बैंक नहीं था, खासकर समाज का गरीब तबका, बीजेपी का वोट बैंक बन गया।

निशिकांत दुबे बोले- 2029 में उनके ही नेतृत्व में लड़ेंगे चुनाव

एजेंसी

झारखंड से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कई बड़ी बात कही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर तारीफ की और कहा कि भाजपा उनके बिना नहीं चल सकती। दुबे ने कहा कि अगले 15 से 20 सालों तक, मैं सिर्फ.मोदी को ही नेतृत्व करते देखता हूँ। उनके बिना, भाजपा 150 सीटें भी नहीं जीत पाएगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए 'दिल्ली अभी खाली नहीं है' वाली टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर, दुबे ने कहा कि दिल्ली में

नेतृत्व परिवर्तन का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा कि 2029 का चुनाव भी मोदी के नेतृत्व में लड़ा जाएगा। निशिकांत दुबे ने कहा कि अगले 15-20 सालों तक मुझे सिर्फ.पीएम मोदी ही नजर आते हैं। और ऐसा सिर्फ. इसलिए नहीं है कि वो प्रधानमंत्री हैं। पीएम मोदी के आने पर वो वोट बैंक, जो कभी बीजेपी का वोट बैंक नहीं था, खासकर समाज का गरीब तबका, बीजेपी का वोट बैंक बन गया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर पीएम मोदी हमारे नेता नहीं होंगे, तो मेरी बात याद रखना, बीजेपी 150 सीटें भी नहीं जीत पाएगी... बीजेपी को 2029 का चुनाव भी पीएम मोदी के नेतृत्व में ही लड़ना है। दुबे ने आगे कहा कि 2014 के बाद सोशल मीडिया का जमाना है। इस देश के 140 करोड़ लोग पत्रकार हैं। पहले नियंत्रित पत्रकारिता होती थी, अब अनियंत्रित है। उन्होंने कहा क प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कोई डीप स्टेट काम नहीं कर सकता। इसकी वजह ये है कि प्रधानमंत्री हर चीज को व्यक्तिगत रूप से संभालते हैं। उनसे कुछ भी छिपा नहीं है। दूसरी बात, आम लोगों से उनका जुड़ाव है। मैं जब भी उनसे मिलता हूँ, वो मुझे मेरे क्षेत्र के बारे में कुछ ऐसा बताते हैं जिससे मैं वाकिफ नहीं होता।